

**भारत का राजपत्र**  
**The Gazette of India**  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 7] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 13, 1982 (माघ 24, 1903)  
No. 7] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 13, 1982 (MAGHA 24, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4  
[PART III—SECTION 4]

विभिन्न निकायों द्वारा जारी की गई विभिन्न अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और  
सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and  
Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय स्टेट बैंक  
महा प्रबंधक (परिचालन) का सचिवालय  
सूचना

कलकता, दिनांक 20 जनवरी 1982

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित  
नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है :—

श्री ए० कृष्णन दिनांक 7 जनवरी 1982 से श्री आर०  
विश्वनाथन के स्थान पर ओवरसीज शाखा, के मुख्य प्रबंधक  
का कार्यभार ग्रहण करेंगे।

पी० वी० सुब्बा राव  
मुख्य महा प्रबंधक

केन्द्रीय कार्यालय  
सूचना

बम्बई, दिनांक 19 नवम्बर, 1981

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गयी निम्नलिखित  
नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है :—

1. श्री एच० एस० मजुमदार ने केन्द्रीय कार्यालय में  
दिनांक 13 नवम्बर 1981 से उप प्रबंध निदेशक  
(अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग) का पदभार ग्रहण किया।
2. श्री आर० पी० गोयल ने केन्द्रीय कार्यालय में  
दिनांक 16 नवम्बर 1981 से उप प्रबंध निदेशक  
(कामिक एवं सेवाएं) का पदभार ग्रहण किया।
3. श्री एम० बी० देशमुख ने केन्द्रीय कार्यालय में  
दिनांक 16 नवम्बर 1981 से उप प्रबंध निदेशक  
(सहयोगी बैंक्स) का पदभार ग्रहण किया।
4. श्री वी०एन० नाडकर्णी ने केन्द्रीय कार्यालय में  
दिनांक 13 नवम्बर 1981 से उप प्रबंध निदेशक  
(परिचालन) का पदभार ग्रहण किया।
5. श्री ए० बोस ने केन्द्रीय कार्यालय में दिनांक 16  
नवम्बर 1981 से उप प्रबंध निदेशक (विकास  
एवं योजना) का पदभार ग्रहण किया।

वी० एस० नटराजन  
प्रबन्ध निदेशक

स्टेट बैंक ऑफ मैसूर  
(भारतीय स्टेट बैंक का सहयोगी)  
सूचना

बैंगलूर-29, जनवरी 1982

स्टेट बैंक ऑफ मैसूर के शेयरधारियों की बाईसवीं वार्षिक सामान्य सभा, श्री चौडय्या मेमोरियल हाल गायत्री देवी पार्क रोड, वैयालीकावल, बैंगलूर (सैंकी टैंक के समीप) में, शनिवार दिनांक 20 मार्च 1982 को सुबह के बाद 11 बजे (मानक समय), 31 दिसम्बर 1981 को समाप्त वर्ष के लिए निदेशक बोर्ड की रिपोर्ट, बैंक का वित्तीय स्थिति विवरण और लाभ-हानि लेखा तथा उन पर लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट स्वीकारने हेतु सम्पन्न होगी।

पी० एस० संतानकृष्णन्  
प्रबन्ध निदेशक

स्टेट बैंक, ऑफ लावणकोर  
(भारतीय स्टेट बैंक का सहयोगी)  
प्रधान कार्यालय : त्रिवेन्द्रम  
सूचना

त्रिवेन्द्रम, दिनांक 28 जनवरी 1982

स्टेट बैंक ऑफ लावणकोर को शेयरधारियों की बाईसवीं वार्षिक सामान्य बैठक बुधवार 17 मार्च, 1982 प्रातः 11 बजे (मानक समय) को बैंक के प्रधान कार्यालय, त्रिवेन्द्रम में निम्नलिखित कारोबार के सन्चालन के लिए होगी :

“बैंक के 31 दिसम्बर 1981 तक निदेश बोर्ड की रिपोर्ट, तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि लेखा और तुलन-पत्र एवं लेखाओं के संबन्ध में लेखा परीक्षक की रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए।”

एन० सी० बानर्जी  
प्रबन्ध निदेशक

भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान  
नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 जनवरी 1982  
(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

नं० 5-सी०ए० (32)/81-82 —इस संस्थान की अधिसूचना नं० 4-सी०ए० (1)/27/76-77 दिनांक 5 मार्च 1977 के सन्दर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्य का नाम पुनः उसके आगे दी गई तिथि से स्थापित कर दिया है।

क्र० संख्या	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1.	4772	श्री प्रवीनचन्द्रा चनी लाल शाह, ए०सी० ए० “भगवान निवास” नाना पोरे नादीभ्राद-387001 जिला : काठडा (गुजरात)	9-11-1981

दिनांक, 25 जनवरी, 1982

अधिसूचना

नं० 13-परीक्षा (1)/मई/82 —चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स 1964 के रेगुलेशन्स 20 के अनुसार में दि कांसिल आफ दि इंस्टीच्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया को नोटिफाई कराने में प्रसन्नता है कि इन्टरमीडिएट नए पाठ्यक्रम के अन्तर्गत (और फाइनल) पुराने एवं नए पाठ्यक्रम के अन्तर्गत) की परीक्षाएं निम्नलिखित तिथियों तथा केन्द्रों पर होंगी बशर्ते कि प्रत्येक केन्द्र में परीक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में परीक्षार्थी उपस्थित होते हैं।

इन्टरमीडिएट परीक्षा (नए पाठ्यक्रम के अन्तर्गत)

ग्रुप पहला : 3,4,5,6 मई 1982

ग्रुप दूसरा : 8,10 और 11 मई 1982

फाइनल परीक्षा (पुराने पाठ्यक्रम के अन्तर्गत)

ग्रुप पहला : 3,4, 5, 6 और 8 मई 1982

ग्रुप दूसरा : 10, 11, 12 मई 1982

फाइनल परीक्षा (नए पाठ्यक्रम के अन्तर्गत)

ग्रुप पहला : 3, 4 और 5 मई 1982

ग्रुप दूसरा : 6, 8 और 10 मई 1982

ग्रुप तीसरा : 11, 12 और 13 मई 1982

परीक्षा केन्द्र :

1. आगरा
2. अहमदाबाद
3. इलाहाबाद
4. बंगलौर
5. बड़ोदा
6. बेलगांव
7. बम्बई
8. कलकत्ता
9. चण्डीगढ़
10. कोयम्बटोर
11. कटक
12. दिल्ली/नई दिल्ली
13. ईरनाकुलम

14. गोहाटी	दोनों ग्रुपों के लिए . . .	₹ 75/-
15. हैबराबाद	फाइनल परीक्षा (पुराने पाठ्यक्रम के अन्तर्गत)	
16. इन्दौर	केवल एक ग्रुप के लिए . . .	₹ 75/-
17. जयपुर	दोनों ग्रुपों के लिए . . .	₹ 125/-
18. जोधपुर	फाइनल परीक्षा (नए पाठ्यक्रम के अन्तर्गत)	
19. कानपुर	केवल एक ग्रुप के लिए . . .	₹ 60/-
20. लखनऊ	केवल दो ग्रुपों के लिए . . .	₹ 120/-
21. लुधियाना	तीनों ग्रुपों के लिए . . .	₹ 150/-
22. मद्रास	(एक ही बार बैठने पर)	

पी० सी० गोपालाकृष्णन  
सचिव।

23. मादुराई
24. मंगलौर
25. नागपुर
26. पटना
27. पूना
28. राजकोट
29. सालेम
30. तिरुचिरापल्ली
31. त्रिचूर
32. त्रिवेन्द्रम
33. उदयपुर
34. विजयावाड़ा
35. विशाखापट्टनम

परीक्षा शुल्क की राशि इन्स्टीट्यूट के सचिव के पक्ष में जारी पोस्टल आर्डर या डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा भेजी जानी चाहिए। उम्मीदवारों की सुविधा के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष खाता खोला गया है और परीक्षा शुल्क की अदायगी भारत के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा में की जा सकती है। विशेष भुगतान पर्ची आवेदन पत्र के साथ नत्थी है।

उक्त परीक्षाओं के लिए आवेदन केवल उपयुक्त आवेदन पत्रों पर ही दिया जाना चाहिए जो एक रुपए का भुगतान करने का चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया के सचिव के इन्टरप्रस्थ मार्ग स्थित कार्यालय से मिल सकता है। उपयुक्त प्रमाण पत्रों और शुल्क के साथ डिमान्ड ड्राफ्ट या पोस्टल आर्डर लगा कर या भुगतान पर्ची का काउन्टर फाईल लगाकर आवेदन पत्र इस प्रकार भेजा जाना चाहिए कि वह सचिव के कार्यालय में 1 मार्च 1982 तक पहुंच जाए। 1 मार्च 1982 के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन पत्र सचिव कार्यालय में स्वयं भी आकर दिया जा सकता है या रिजनल काउन्सिलों के बम्बई, कलकत्ता, मद्रास और कानपुर के कार्यालयों में 1 मार्च 1982 तक जमा कराया जा सकता है। इन नगरों में रहने वाले उम्मीदवारों को इस सुविधा का फायदा उठाने की सलाह दी जाती है।

इन्टरमीडिएट परीक्षा (नए पाठ्यक्रम के अन्तर्गत)  
केवल एक ग्रुप के लिए . . . ₹ 40/-

कानपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 1981

सं० 8-सी०सी०ए० (7)/81-82 — चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1961 के विनियम 10(1) खण्ड (तीन) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों को जारी किए प्रक्रिटस प्रमाण-पत्र उनके आगे दी गई तिथियों से रद्द कर दिए गए हैं क्योंकि वे अपने प्रक्रिटस प्रमाण-पत्र को रखने के इच्छुक नहीं हैं।

क्रम० संख्या	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1.	13711	श्री कैलाश नारायण श्रीवास्तव, ए०सी०ए०, मेसर्स पिराइट्स, फासफेटिस एण्ड केमिकल लिमिटेड, पालि रोड, देहरी-ग्रान-सोनि, जि० रोहतास।	1-4-81
2.	31382	श्री हरीश कुमार गुप्ता, ए०सी०ए०, असिस्टेंट एकाउन्टेन्ट्स, मेसर्स जे०के० इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, कान्करोलि, जि० उदयपुर।	1-8-81
3.	50258	श्री अशोक कुमार व्यास, ए० सी० ए०, हिन्दुस्तान जिन्क लिमिटेड, जावर माइन्स यूनिट पो० अ०, उदयपुर-313901।	1-4-81
4.	70256	श्री तारा चन्व छेजारा, ए०सी०ए०, 309, उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर।	1-8-81

सं० 8-सी०सी०ए०(8)/81-82 — रेगुलेशन 10(1) की धारा 14 जिसे चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स के रेगुलेशन 1964 के अधिनियम 10(2) (बी) के साथ पढ़ा जाए, के अनुसार एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित सदस्य का

कार्य करने का प्रमाण-पत्र 1 अगस्त 1981 में रद्द समझे जाएंगे क्योंकि उन्होंने वर्ष 1981-82 के लिए कार्य प्रमाण-पत्र हेतु वार्षिक शुल्क का भुगतान 31 जुलाई 1981 तक नहीं किया था।

क्रम संख्या	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता
1	2	3
1.	2725	श्री उपेन्द्र नारायण एफ० सी० ए० डायरेक्टर (फाइनेंस) इस्टर्न कोलाफील्ड्स लि० सेंटोरिया पो० डीसे-रगड जिला-बुर्धमान (प० बं०)।
2.	4684	श्री गौतम राज बी० मेहता, एफ० सी० ए० लक्ष्मी पेट्रोल पम्प, एम० आई० रोड जयपुर।
3.	7730	श्री कनाश चन्द्र मालू, एफ० सी० ए० कोठी नं० 4 एल० एच० शूगर फैक्ट्री लि० सिविल लाइन्स, बरेली।
4.	8272	श्री० बाल कृष्ण बूब, एफ० सी० ए०, सेठिया भवन, चोपसानी रोड, जोधपुर।
5.	12992	श्री आर० सी० अग्रवाल, ए० सी० ए० 1, गोविन्द माग, एम० डी० रोड, जयपुर।
6.	14530	श्री गोपाल हरलालका, ए० सी० ए० आउटर स्कूल रोड, गुरुधारा बस्ती के पास पोस्ट-बिस्तुपुर, जमशेदपुर-831001।
7.	14750	श्री टी० बी० जन, ए० सी० ए० 52, बड़ा सराफा इन्दौर।
8.	16852	श्री० एम० सी० अग्रवाल, ए० सी० ए० 102, भगत बाटिका के सामने सिविल लाइन्स जयपुर-302006।
9.	50065	श्री डी० के० गुप्ता, एस० सी० ए० डिप्टी मैनेजर (कम-शियल) ऊषा मार्टिन ब्लाक लि०, पो० ब० नं० 147, जमशेदपुर।

1	2	3
10.	70536	श्री० एच० सी० बोहरा, ए० सी० ए० 73, बल्लभ बारी, गुमानपुरा, कोटा।
11.	70625	श्री० मुकुर कुमार टी० ठक्कर, ए० सी० ए०, शास्त्री नगर, (डा० मैत्री के लैबोरेटरी के पास), धनबाद-826001।
12.	70637	श्री शान्तीलाल चापलोट कृष्णा भवन, शास्त्रीनगर, आईस फैक्ट्री के पीछे, रतलाम।
13.	70662	श्री अजय गैमवाल, ए० सी० ए०, सेक्टर-4, प्लॉट नं० 25, जवाहर नगर, जयपुर-4।
14.	81251	श्री पारस मल जैन, ए० सी० ए०, अस्सिस्टेंट मैनेजर, फाइनेंस ए० आई० आई० सी० अ० लि०, उद्योग, भवन तिलक माग, जयपुर-5

दिनांक 19 जनवरी 1982

नं० 5-सी० सी० ए० (9)/81-82—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 4-सी० ए० (1)/20/75-76, दिनांक 23-3-76 के सन्दर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे दी गई तिथि से स्थापित कर दिया है।

क्र०सं०	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1.	13085	श्री चन्वन मल नाहता, ए० सी० ए० वित्तीय प्रबन्धक भारत वेस्टफालिया लि०, पो० अ० महिलांग, रांची-3	5-12-81

पी० एम० गोपालाकृष्णन  
सचिव

## कर्मचारी राज्य बीमा निगम

## अर्थात्—

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1982

सं० : एन०-15/13/3/4/76—यो० एवं वि० (1) कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 5 के उपविनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक ने निश्चय किया है कि निम्न अनुसूची में निर्दिष्ट क्षेत्रों में वर्ग "क", "ख" तथा "ग" के लिये प्रथम अंशदान एवं प्रथम लाभ अवधियां नियत दिवस 16 जनवरी, 1982 की मध्य रात्रि को बीमा योग्य रोजगार में लगे व्यक्तियों के लिये प्रारम्भ व समाप्त होंगी जैसा कि निम्न सूची में किया गया है :—

वर्ग	प्रथम अंशदान अवधि				प्रथम लाभ अवधि			
	जिस मध्य रात्रि प्रारंभ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है	जिस मध्य रात्रि प्रारंभ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है	जिस मध्य रात्रि प्रारंभ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है	जिस मध्य रात्रि प्रारंभ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है
क	16-1-1982	30-1-1982	16-10-1982	30-10-82				
ख	16-1-1982	27-3-1982	16-10-1982	25-12-82				
ग	16-1-1982	29-5-1982	16-10-1982	26-2-83				

अनुसूची :—

बिहार राज्य के—

"धनबाद जिले के गोविन्दपुर के रेवन्यू थाना के अन्तर्गत आने वाले (तिलकरेडीह, ग्रामघाटा, जियालमोडा, कंगोली, गोसिडीह, रतनपुर, देवली, सरायडेला और कालाकुस्मा ग्रामों को छोड़कर) सभी ग्राम।"

सं० : एन०-15/13/3/4/76—यो०, एवं वि० (2) कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 17 जनवरी, 1982 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा बिहार कर्मचारी राज्य बीमा नियम 1951 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ बिहार राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

"धनबाद जिले के गोविन्दपुर के रेवन्यू थाना के अन्तर्गत आने वाले (तिलकरेडीह, ग्रामघाटा, जियालमोडा, कंगोली, गोसिडीह, रतनपुर, देवली, सरायडेला और कालाकुस्मा ग्रामों को छोड़कर) सभी ग्राम।"

दिनांक 29 जनवरी, 1982

सं० एन०-15/13/6/3/80—यो० एवं वि० (1) कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 5 के उपविनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक ने निश्चय किया है कि निम्न अनुसूची में निर्दिष्ट क्षेत्रों में वर्ग "क", "ख" तथा "ग" के लिये प्रथम अंशदान एवं प्रथम लाभ अवधियां नियत दिवस 16-1-1982 की मध्य रात्रि को बीमा योग्य रोजगार में लगे व्यक्तियों के लिये प्रारम्भ व समाप्त होंगी जैसा कि निम्न सूची में दिया गया है :—

वर्ग	प्रथम अंशदान अवधि				प्रथम लाभ अवधि			
	जिस मध्य रात्रि प्रारंभ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है	जिस मध्य रात्रि प्रारंभ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है	जिस मध्य रात्रि प्रारंभ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है	जिस मध्य रात्रि प्रारंभ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है
क	16-1-82	30-1-82	16-10-82	30-10-82				
ख	16-1-82	27-3-82	16-10-82	25-12-82				
ग	16-1-82	29-5-82	16-10-82	26-2-83				

अनुसूची :—

"कोशीकोड जिले के किवलांडी तालुक में राजस्व ग्राम अठौली के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र।"

सं० एन०—15/13/6/3/80—यो० एवं वि० (2)—कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम

1948(1948 का 34) की धारा 46(2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 17-1-1982 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम, 95-क तथा राज्य कर्मचारी राज्य बीमा निगम 1959 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किय जायेंगे।

अर्थात्—

“कोषी कोड जिले के क्विलाडी तालुक में राजस्व-ग्राम अठोली के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र।”

नई दिल्ली: दिनांक 30 जनवरी 1982

शुद्धिपत्र

भारत के राजपत्र भाग-III अनुभाग-4 के पृष्ठ 2630 में प्रकाशित कर्मचारी राज्य बीमा निगम की अधिसूचना सं० एन०-15/13/16/1/79-यो० एवं वि० (1) दिनांक 28 सितम्बर, 1981 की—

1. अधिसूचना संख्या के आगे “पो०” के स्थान पर “यो०” पढ़ा जाए।

2. सूची में दिये गए वर्ग “अ, ब, स” के स्थान पर “क, ख, ग” पढ़ा जाए।

3. प्रथम अंशदान अवधि में “30-1-1981” के स्थान पर “30-1-1982” व “27-3-1981” के स्थान पर “27-3-82” पढ़ा जाए।

4. प्रथम लाभ अवधि में “17-6-82” के स्थान पर “19-6-82” पढ़ा जाए।

5. अनुसूची में “जिला भिवानी” के पूर्व “हरियाणा राज्य के” जिला भिवानी पढ़ा जाए।

भारत के राजपत्र भाग-III अनुभाग-4 के पृष्ठ 2630 में प्रकाशित कर्मचारी राज्य बीमा निगम की अधिसूचना संख्या

एन०-15/13/16/1/79-यो० एवं वि० (2) दिनांक 28 सितम्बर, 1981 की अन्तिम पंक्ति में—

“ग्राम” के स्थान पर “ग्राम” पढ़ा जाए।

दिनांक 1 फरवरी 1982

सं० एक्स०-11/14/10/77-यो० एवं वि०—कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 5 के उपविनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक ने निश्चय किया है कि हरियाणा राज्य की अधिसूचना संख्या 10(371)78-5 लेखा० दिनांक 11-1-1982 जोकि कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 की धारा 1 की उपधारा (5) के अन्तर्गत अधिनियम के उपबन्धों का उन स्थापनाओं पर विस्तार करने के लिए जारी किया गया था जो कि अधिसूचना में निर्दिष्ट है तथा उन स्थापनाओं में वर्ग “क”, “ख” तथा “ग” के लिये प्रथम अंशदान एवं प्रथम लाभ अवधियाँ नियत दिवस 16-1-82 की मध्य रात्रि को बीमा योग्य रोजगार में लगे व्यक्तियों के लिये प्रारम्भ व समाप्त होगी जैसा निम्न सूची में दिया गया है :—

वर्ग	प्रथम अंशदान अवधि		प्रथम लाभ अवधि	
	जिस मध्य रात्रि को प्रारम्भ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है	जिस मध्य रात्रि को प्रारम्भ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है।
क	16-1-82	30-1-82	16-10-82	30-10-82
ख	16-1-82	27-3-82	16-10-82	25-12-82
ग	16-1-82	29-5-82	16-10-82	26-2-83

जी० पी० मल्होत्रा  
निदेशक (योजना एवं विकास)

## आय-व्यय खाता

## भारतीय मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीपुर

1978-79

व्यय	1978-1979		आय	1978-79	
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
		₹०			₹०
1 प्रशासन					
(अ) वेतन		50,06,032			
(ब) अन्य प्रभार		8,63,945			8,20,054
(स) सामान्य सेवायें तथा विविध प्रभार		41,55,690			
			1,00,36,667		6,29,79,000
2 शैक्षिक विभाग					2,62,000
(अ) संकाय					
(i) वेतन		2,15,95,098			11,92,441
(ii) अन्य प्रभार		24,65,197			4,02,033
			2,40,60,295		1,24,304
(ब) महाविद्यालय					
वेतन		23,67,455			17,18,778
अन्य प्रभार		3,91,948			5,35,766
(स) सामान्य शिक्षा केन्द्र					
वेतन		2,12,664			3,52,840
अन्य प्रभार		29,985			1,33,607
			2,42,649		4,86,447
3 परीक्षाएं					
वेतन		1,62,087			3,067
अन्य प्रभार		13,86,310			3,591
			15,48,397		6,658
4 पुस्तकालय					
वेतन		9,78,968			25,74,919
अन्य प्रभार		11,30,627			3,18,995
			21,09,595		
5 छात्रों को सुविधाएं					
वेतन		5,19,269			1,13,549
अन्य प्रभार		2,79,998			6,176
			7,99,267		62,686
					1,82,411





2-459GI 24 आयुर्विज्ञान महाविद्यालय चिकित्सालय

बैतल

37,27,239

अन्य प्रसार

12,83,949

50,11,188

महायोग

6,99,73,124

व्यय से आय की अधिवक्ता

4,90,295

योग--अनुक्षण अनुदान खाता

7,04,63,419

7,04,63,419

ह० (एस० अफ़ाक़ अहमद)

महादक लेखा अधिकारी (लेखा)

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़

ह० (सुरेन्द्र पाल)

वित्त अधिकारी

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़



## असीयट्ट मूल्य विषयविद्यालय

सुलत १९८१-७९

३१ मार्च, १९७९

विवरण	अनुदान	परिसप्त	अनुदान
(1)	(2)	(3)	(4)
	₹०	₹०	₹०
सामान्य धन.			
स्वायं सन्ताननिधि			
असीयट्ट मूल्य विषयविद्यालय अधिनियम 1920 के			
निर्देश 40 की धारा 7 के अन्तर्गत			
लगाए गए का पंजीकृत मूल्य		30,00,000	
स्वायं सन्ताननिधि			
हस्तांतरित भवनों की तलाश का पंजीकृत मूल्य			
विशेष कलेक्टर निधि		20,00,000	
दान का पंजीकृत मूल्य एवं अनुदान		10,39,052	
चल आरक्षित निधि			
दान धारि का पंजीकृत मूल्य		3,74,730	
न्याय निधि			
दान का पंजीकृत मूल्य	5,99,767		
निधि-अभिव्यक्तिगत व्याज का भवनेष	2,00,889		
प्रकीर्ण-चाल धन	6,764		
		8,07,420	
प्रकीर्ण निधि			
असीयट्ट निधि	2,13,974		
असीयट्ट निधि	1,23,25,534		
असीयट्ट मूल्य विषयविद्यालय निधि	9,43,845		
महिला मूल्य विषयविद्यालय निधि	23,560		
		1,35,06,913	
प्रकीर्ण आरक्षण एवं अधिकतम धन उत फर्कारियों का			
विद्युत निवृत्त वेतन का विकल्प निधि है उनकी भविष्य			
निधि की मांग पर विषयविद्यालय अनुदान			
छात्र सहकारिता	39,09,658		
राष्ट्रीय सेवा योजना	9,723		
अन्तरनिधि ग्राम	38,839		
वेतनभार के पुनरीक्षण हेतु अनुदान	54,52,962		
निर्देशित एवं प्रकीर्ण धन	17,96,608		
अनिवार्य भवत योजना	1,93,432		
विकास अनुदान धन	76,148		

1	2	3	4	5	6
4	5	6	4	5	6
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग			नियोज्य खाता		
पूर्वोक्त अनुदान			जम्मू कश्मीर शासन का अनुदान		12,713
भवन	6,05,08,089		जम्मू एवं कश्मीर द्वारा हिन्दी एवं उर्दू में दी गई छात्र- वृत्तियों पर अधिक व्यय		
पुस्तकें	75,25,902		मृच्छ तथा अभिम		20,72,007
उपकरण	3,73,30,371		अन्तरनिधि अधिम		95,325
उपस्कर	38,99,438		आयुर्विज्ञान महाविद्यालय निधि		7,040
		10,92,63,800	आयुर्विज्ञान निम्ना हेतु अधिम		1,59,063
श विच्छन्न वृत्ति एवं अधिकृत वृत्ति अनुदान भारत			अन्तरनिधि अधिम		
सरकार। आई० सी० एस० आर०। इत्यादि	3,05,161		स्वयं जयन्ती निधि		10,281
वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकी अनुसंधान परिषद्	6,85,605		आय व्यय खाते संश्लिष्ट मूल्य न्यूनता		
			अधिक्य निधि खाता		
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अनुदान		9,90,766	गृह निर्माण हेतु अधिम		84,33,198
विद्यालय के उपकरण खरीदने हेतु अनुदान	4,467		अन्तरनिधि अधिम		37,916
मोबाइल केमर यूनिट प्रोग्राम	33,528		रोकड़ लेव		
			मामान्य निधि खाता	34,71,075	
अन्तर निधि अधिम प्रति प्राप्ति		137,995	भारतीय स्टेट बैंक	731	
निस्सम्पत्त एवं प्रकीर्ण खाते			स्टेट बैंक आफ इण्डिया करंजी		
नियोज्य खाता		14,34,273	नियोज्य खाता		
सरकार तथा अन्य एजेंसी द्वारा अनुदान			आयुर्विज्ञान महाविद्यालय निधि		34,71,806
कोई फाउण्डेशन	21,94,321		डा० वली मोहम्मद वक्क निधि		1,84,513
कुवैत सरकार	1,00,000		स्वयं जयन्ती निधि		13,391
बाहिर इरात अनुदान	1,08,817		अधिक्य निधि खाता		43,143
बाहिर सञ्च अनुदान	1,69,977		डाक घर वचत योजना		1,738
जम्मू कश्मीर शासन का अनुदान	6,96,820		भारतीय स्टेट बैंक प्रोवीडेंट	33,72,090	
जम्मू कश्मीर शासन द्वारा छात्रावास का निर्माण	142,569		इलाहाबाद बैंक	(-) 1,27,105	
प्रकीर्ण अनुदान एवं नियोज्य		33,12,504		50,700	
सी० एल० 480 कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राप्त अनुदान	1,16,837				32,95,685
वमानों का नियोज्य खाता	5,27,462				18,52,82,202
प्रकीर्ण अधिम तथा विकसन प्रयोज्य	5,73,970				
उपकुलपति निधि	6,58,949				
अन्तर अधिम निधि	12,97,673				
		31,74,891			
			महाबोम		
आयुर्विज्ञान महाविद्यालय निधि					
अनुदानों का पूर्वोक्त मूल्य		60,92,324			
डा० वली मोहम्मद वक्क निधि	1,82,000				
दानों का पूर्वोक्त मूल्य	27,992				
व्यय से प्राप्त की अधिकता		2,69,992			

स्वयं जयन्ती निधि			
दानों से पूँजीकृत मूल्य	1,20,305		
बचिव निधि खाता	2,43,78,256		
बचिव निधि			
प्राप्त प्राय	24,369		
बेख जैद इन्स्टिट्यूट आफ मेडिसियम टेक्नोलॉजी			
बेख जैद से प्राप्त दानों का पूँजीकृत मूल्य			
ए० एम० यू० ईमस विकास खाता			
न्यायी इस्लामिक सोलिवेरीटी निधि से प्राप्त दानों का पूँजीकृत मूल्य—	1,62,206		
प्रतिम रोकट फंड			
एम० डू० विकास अनुदान खाता	18,18,988		
महयोगी!!	18,52,82,202	महयोग	18,52,82,202

ह०  
(एस० प्रोफेसर महमद)  
सहायक लेखा अधिकारी (लेखा)

ह०  
(सुरेन्द्र पाल)  
वित्त अधिकारी

#### लेखा परीक्षा प्रमाण पत्र

मैंने अलीशद मुस्लिम विश्वविद्यालय अलीशद के 31 मार्च 1979 को समस्त होने वाले वर्ष के लेखापत्रों और तुलनपत्र की जांच कर ली है। मैंने संपूर्ण प्रपेक्षित सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं। और संलग्न लेखा परीक्षा रिपोर्ट में उल्लिखित टिप्पणियों के अर्थात् अपनी लेखा परीक्षा के परिणाम स्वरूप मैं प्रमाणित करता हूँ कि मेरी राय में और मुझे प्रस्तुत की गई सूचनाओं और स्पष्टीकरणों तथा अलीशद मुस्लिम विश्वविद्यालय की बहियों में प्रदर्शित लेखों के अनुसार ये लेख और तुलनपत्र उपयुक्त रूप से तैयार किये गये हैं और यह विश्वविद्यालय के कार्य कलाप का सही और उचित रूप प्रस्तुत करते हैं।

ह० (एस० एम० मेहता)  
महालेखाकार प्रथम  
उत्तर प्रदेश

इताईनाद  
दिनांक 12 मार्च 1981

बैंक समाधान विवरण — 31 मार्च 1979

	सामान्य खाता	विकास अनुदान खाता	अविष्यनिधि	निक्षेप खाता	आयुर्विज्ञान महा-विद्यालय खाता
खातों के अनुसार अवशेष कटीती	(+) 34,71,075	(-) 18,18,988	(-) 127,105	(-) 1,84,513	13,391
पारगमन में प्रेषित धन	(-) 67,00,639	(-) 2,32,991	(-) 81,161	(-) 31,810	
बैंक द्वारा अनुसूचित अवर्गीकृत विकल्प	(-) 12,50,257	(-) 2,32,115	(-) 3,172	(-) 1,90,630	
योग	(-) 44,79,821	(-) 22,84,094	(-) 2,11,438	(-) 37,827	13,391
जमा					
बिना भुगतानों के धनादेश	(+) 41,82,075	45,23,448	(+) 3,53,907	(+) 1,90,170	
बैंक द्वारा अवर्गीकृत आकलन	(+) 4,60,279	65,700	(+) 2,667	(+) 3,88,056	
बैंक विवरण के अनुसार अवशेष	1,62,533	2,305,054	1,45,136	3,40,399	13,391

(एत० शफीक अहमद)  
सहायक लेखा अधिकारी (लेखा)

## अलीकड़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के 1978-79 के लेखे

का लेखा परीक्षा प्रतिवेदन :

## 1. प्रस्तावना

1.1 1978-79 में विश्वविद्यालय का वित्त पोषण मुख्यतः विश्व-विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा ही हुआ। (629.79) (लाख रु०) इसके अतिरिक्त इसे अपनी विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 2.62 लाख तथा भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय

अनुदान आयोग द्वारा 113.07 लाख रुपए के अनुदान प्राप्त हुए। स्वर्द्धि धर्मदाय एवं अन्य विनियोग, भवन एवं भूमि, मेडिकल कालेज अस्पताल प्राप्ति, शैक्षिक शुल्क तथा विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त छात्रावास की प्राप्ति भी इसको राजस्व प्राप्ति के रूप में वर्गीकृत की जाती है। वर्ष 1978-79 की प्राप्ति एवं भुगतान का विस्तृत विवरण निम्न-वत् है।

आय	(राशि लाख रु० में)	व्यय	(राशि लाख रु० में)
1. प्राप्त अनुदान		1. पूँजी	
विश्वविद्यालय अनुदान			
(i) आयोग	629.79	(i) उपस्कर	100.49
(ii) राज्य सरकार	2.62	[(ii) भवन]	29.79
	632.41	(iii) पुस्तकें]	6.13
2. धर्मदान एवं विनियोग से आय	8.20	(iv) कर्मचर	3.52
3. भूमि एवं भवनों से आय	4.38		139.93
4. शैक्षिक शुल्क	19.01	2. राजस्व व्यय	370.99
5. छात्रावास प्राप्ति	5.36	(वेतन, भते एवं सामान्य व्ययवि)	
6. चिकित्सालय कांफेज अस्पताल से हुई प्राप्ति	5.46	3. अकार्पिक व्यय	73.68
7. विविध प्राप्ति	29.33	4. छात्रावास	50.73
8. विभिन्न योजनाओं हेतु बि० बि० अ० एवं भारत सरकार से प्राप्त अनुदान		5. फलोशिप एवं छात्रवृत्ति	10.39
(i) भारती	12.31	6. चिकित्सकीय कालेज अस्पताल	50.11
(ii) अनाभर्ती	100.76	7. विविध व्यय	130.21
	113.07	8. अविष्य निधि एवं पेंशन	13.62
9. अनुदान से अधिक व्यय		9. विकास अनुदान	33.34
पूँजी	39.17		
विकास	21.03		
	60.20		
अनुक्षण	(-) 4.90		
	55.30		
कुल	873.00		873.00

## 2. अनुदानों का उपयोग

2.1 भारत सरकार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा अन्य से प्राप्त अनुदानों के सम्बन्ध में 31 मार्च, 1978 को विश्वविद्यालय के पास कुछ अनुदानों का रु० 100.48 लाख का अप्रयुक्त अवशेष था अन्य अनुदानों हेतु प्राप्त राशि से रु० 25.97 लाख का व्यय अधिक किया गया था। वर्ष 1978-79 के दौरान कुल रु० 745.48 लाख के नये अनुदान प्राप्त हुए थे। चूंकि इस प्रकार अप्रयुक्त अवशेष वाले अनुदानों में अधिक राशि व्यय हेतु उपलब्ध थी, अन्य अनुदानों के विरुद्ध अधिक व्यय को हटा दिया गया था। वर्ष के अन्त में (31 मार्च, 1979 को) अनुदानों के अप्रयुक्त अवशेषों का कुल योग रु० 82.78 लाख (पूँजी रु० 60.91) लाख तथा राजस्व रु० 21.87 जिसका विवरण परिशिष्ट एक में दिया गया है तथा रु० 68.50 लाख की राशि (पूँजी रु० 42.74 लाख एवं राजस्व रु० 25.76 लाख) जैसा परिशिष्ट 11 में है, अनुदानों का प्राप्ति के अनुदानों से अधिक व्यय किया गया था जिसके लिये अनुदान दाता संगठन से किसी पूर्व वचन बद्धता को सुनिश्चित नहीं किया गया था।

विश्वविद्यालय ने बताया (जुलाई 1980) कि अनुदान दाताओं से अधिक व्यय का वादा किया गया था। वही वर्ष 1979-80 के दौरान अप्रयुक्त अनुदानों का उपयोग किया गया था।

2.2 रु० 51.22 लाख की राशि 31 मार्च 1979 को समुच्चय-कृत विकास अनुदान लेखा से (जिसमें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार तथा अन्य से प्राप्त समस्त विशिष्ट उद्देश्यों के अनुदानों को जमा किया जाता है) राजस्व व्यय को बहान करने वाले सामान्य निधि लेखा में लगा दी गई थी। जबकि 31 मार्च 1978 को धाकड़ों में सुधार हुआ था (रु० 75.76 लाख) यह अभी भी अनियमित था और विकास के मूल्य पर था। इस प्रकार के व्यावर्तन का परिणाम समुच्चयकृत विकास निधि में 18.10 लाख के ऋण अवशेष के साथ समाप्त हुआ। विश्वविद्यालय ने बताया (जून 1980) कि इस प्रकार के अंतरण एक नितांत सीमित समय के लिये अर्थों की कठिनाइयों को दूर करने के लिये किये गये थे और सूचित किया (नवम्बर 1980) कि सम्पूर्ण राशि 1979-80 में पुनः जमा कर दी गई थी।

## 3. भवनों का निर्माण

3.1 विश्वविद्यालय ने (मार्च 1979) आवश्यक कर्मचारी आवासों के निर्माण कार्य को न्यूनतम निश्चिन्ताओं को (रु० 13.76 लाख) : प्रस्ताव की अवधि को वैधता के भीतर दिया था। किन्तु इसके साथ बिना किसी करारनामों को पूरा कर दिया था। ठेकेदार ने बगैर कोई काम किये कार्य छोड़ दिया और यद्यपि विश्वविद्यालय ने तर्क किया। (जून 1980) कि निविदा को स्वीकृति करारनामों के पूरा करने के समान है। कोई कार्यवाई ठेकेदार को 5.74 लाख की प्रतिरिक्त राशि को बहान करने हेतु प्रतिबद्ध करने के लिये नहीं की गई जो कार्य की प्रतिरिक्त लागत के रूप में बाद में एक नूमेरे ठेकेदार द्वारा रु० 19.50 लाख की लागत से कार्य के पूरा करवाने में लगा।

3.2 विश्वविद्यालय ने (अप्रैल 1978) में 144 विद्यार्थियों के लिए छात्रावास के निर्माण हेतु निविदाएं आमंत्रित कीं। तीन निविदाएं, जिसमें निम्नवत् 11.53 लाख रु० का था, बिना कोई कारण बताए अस्वीकृत कर दी गयीं। (अप्रैल 1978) में उ० प्र० राजस्व निर्माण निगम को 12.07 लाख रु० की लागत पर उक्त कार्य दिया गया जो 1974 को केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग को दर सूची के आधार पर अनुमानित लागत से 41 प्रतिशत अधिक है। निगम ने उक्त कार्य के लिए कोई निविदा नहीं प्रस्तुत की। कार्य निगम को देने के निम्न तर्क थे :

- (1) निगम द्वारा कार्य को 12 मास की निर्धारित अवधि में पूरा करने का आश्वासन दिया गया था।
- (2) कार्य का प्रतिपादन निगम के योग्य कर्मचारियों द्वारा स्वीकृत

पात्रों के अनुकूल होगा। विश्वविद्यालय के पर्यवेक्षण कार्य में कमी होगी।

- (3) सीमेन्ट का प्रबन्ध निगम द्वारा किया जाएगा।

इस सम्बन्ध में लेखा परीक्षा ने यह पाया गया कि—

- (i) विश्वविद्यालय ने कार्य को निगम को आवंटित किया यद्यपि बि० वि० अनु० धा० द्वारा विश्वविद्यालय को स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि वे बिना निविदा आमंत्रित किए कार्य का निगम द्वारा न कराया जाए।
- (ii) निगम द्वारा बढ़ाई गई अवधि (फरवरी 1980) में भी कार्य पूर्ण न होने के कारण समझौते के धारा के अन्तर्गत निगम वण्ड का भागी था।
- (iii) निगम द्वारा आवश्यक मात्रा में सीमेन्ट उपलब्ध नहीं कराया जा सका। 2525 बोरी सीमेन्ट जो विश्वविद्यालय ने कार्य के लिये निगम को दी थी उसके मूल्य, अभी भी प्राप्त होने बाकी थे (जून 1980)
- (iv) कार्य के संयुक्त निरीक्षण (अप्रैल 1980) से स्पष्ट होता है कि कार्य का सम्पादन स्वीकृत मानकों के अनुकूल नहीं हुआ। फलतः दीवार में दरारें एवं प्लास्टर में दोष पाया गया तथा कंकड़ व लकड़ी का कार्य उचित नहीं पाया गया।

विश्वविद्यालय ने उत्तर दिया (जुलाई 1980) कि जिन बातों के अधीन कार्य सम्पादन का आपसी समझौता हुआ था उसके अन्तर्गत निविदा आमंत्रित करने का प्रयत्न ही नहीं उठता तथा दोषपूर्ण एवं विलम्ब से कार्य समाप्ति के लिये वण्ड लगाने के प्रश्न पर लेखों को अन्तिम स्वरूप देने समय विचार किया जाएगा। उसी समय सीमेन्ट का मूल्य भी बसूल कर लिया जाएगा।

## 4. कर्मचारियों पर किया गया अधिक व्यय

4.1 विश्वविद्यालय कर्मचारियों के वेतनक्रम का संशोधन कार्य-कारिणी समिति गौरा समिति होता चाहिए। उपकुलपति के कुछ अध्याय नेत्र श्रेणी के कर्मचारियों के वेतनक्रम में संशोधन संबंधित निर्णय को कर्पोस्तर अनुमोदित करते समय कार्यकारिणी समिति ने यह निर्णय लिया था (मई 1977) कि वित्तीय आणय वाले समस्त प्रस्ताव प्रथमतया वित्तीय समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाए तथा कार्यन्वयन से पूर्व बि० अनु० आयोग से संशोधन प्राप्त कर लेना चाहिए।

स्पष्ट निदर्शों के बावजूद उपकुलपति द्वारा 1977-78 में वित्तीय समिति एवं विश्वविद्यालय आयोग के पूर्व समर्थन के बिना 76 श्रेणी के पदों का उन्नयन किया गया। इस श्रेणी के 37 पदों के उन्नयन को कार्यकारिणी समिति ने भी समर्थित नहीं किया एवं अन्य 7 श्रेणी के पदों का संशोधित वेतनमान समिति द्वारा समर्थित वेतनमान से उच्चतर रहा।

विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया (जुलाई 1980) कि वेतन संशोधन के समस्त बिन्दुओं एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के वेतन पुननिरीक्षण को बदलने हेतु सुझावों की जांच के लिये कार्यकारिणी समिति द्वारा एक कमेटी का गठन किया गया था तथापि 1977-78 एवं 1978-79 में उन्नयन किये गये श्रेणी के पदों के लिये 16.00 लाख रुपये का अधिक व्यय किया गया।

4.2 भारतीय चिकित्सा (कौंसिल) परिषद् ने 1977 में चिकित्सा कालेजों के विभिन्न विभागों में शिक्षण कर्मचारियों को नियुक्ति सिद्धांतों का निर्धारण किया था, जिनमें वार्षिक 100 विद्यार्थियों के प्रवेश की शक्ती थी। इन सिद्धांतों के अनुसार जितने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अनुमोदित किया था विश्वविद्यालय के चिकित्सा कालेजों को अपने 14 विभागों के लिये वार्षिक 115 छात्रापकों की आवश्यकता थी। तथापि वर्ष 1977-78 में एवं 1979-80 की अवधि में क्रमशः 153 एवं 150 छात्रापकों की नियुक्त कालेज में की गई जिसका विवरण परिशिष्ट (3) में दिया गया है।

इस प्रकार 1977-78 के दौरान 38 अध्यापकों एवं वर्ष 1978-79 के दौरान 35 अध्यापकों की नियुक्ति आवश्यकता से अधिक की गई थी तथा रु० 14.13 लाख (लगभग) का व्यय जिसमें बचा जा सकता था उनके वेतन एवं भत्तों पर व्यय किया गया था।

विश्वविद्यालय ने (जुलाई 1980) में अध्यापकों एवं विद्यार्थियों के 1 एवं 10 के अनुपात तथा एक प्राफेसर अथवा प्रत्येक विभाग हेतु एक विभागाध्यक्ष एवं छः एक स्पेलिटीज में से प्रत्येक के लिये दो अध्यापकों के आधार पर अनिवार्य स्टाफ की औचित्यपूर्ण बनाने का प्रयास किया। 14 वर्तमान विभागों एवं 6 ऐसे विभागों के लिये जिनका गठन अभी करता है 132 अध्यापकों की आवश्यकता का आकलन किया गया और यह बताया गया (जुलाई 1980) में कि 132 का आंकड़ा 153/150 आंकड़े से बहुत दूर नहीं है।

4.3 1976-77 में मेडिकल कालेज अस्पताल में कर्मचारियों की कुल संख्या निम्न अधीनस्थ एवं अध्यापनेतर सहित 578 थी। इसमें 61 ऐसे पद थे जो बिना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुमोदन के 1972-73 से चलते रहे हैं। इसके अनिवार्य विश्वविद्यालय ने समय-समय पर आकस्मिक एवं अस्थायी कर्मचारियों की नियुक्ति की और वर्ष के दौरान 3.62 लाख रुपये उनके पारिश्रमिक पर व्यय किया गया।

वर्ष 1977-78 के दौरान ऐसे 577 पदों में से 187 पदों का अनुमोदन आयोग द्वारा नहीं किया गया था। इस स्थिति के बावजूद इस वर्ष के दौरान भी आकस्मिक अस्थायी पदों जिनमें 129 को नियमित वर्ग में परिवर्तित किया गया, पर 1.02 लाख रुपये व्यय हुए, जिसके फलस्वरूप ऐसे कर्मचारियों की संख्या 1978-79 के दौरान 699 तक हो गयी। आयोग के अनुसार अस्पताल की वास्तविक आवश्यकता से पदों की संख्या अधिक थी जो वर्ष के दौरान बढ़कर 308 तक पहुँच गयी जिनके वेतन एवं भत्तों में वर्ष में 12.36 लाख रुपये व्यय हुए।

विश्वविद्यालय ने बताया (जुलाई 1980) कि अस्पताल में शैयाओं की संख्या के 350 से बढ़ाकर 500 करने के प्रस्तावित वृद्धि को वृद्धि-

गत रखते हुए अनिवार्य कर्मचारियों के संख्या के समायोजन का प्रश्न विचारणीय है।

#### 5. लेखों पर टिप्पणी

5.1 31 मार्च 1979 तक के रोकड़ सत्यापन द्वारा विश्वविद्यालय एवं बैंक के रोकड़ शेष में 188.90 लाख रुपये का अंतर पाया गया। जैसा कि गत लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के अनुच्छेद 3.1 में टिप्पणी की गयी थी कि 1959-60 से बकाया डेबिट/क्रेडिट को लेखों में नहीं लिया गया न ही विश्वविद्यालय बैंक द्वारा इसका मिलान किया गया।

विश्वविद्यालय ने (नवम्बर 1980) बताया कि अक्टूबर 1980 तक 133.88 लाख रुपये का मिलान किया जा चुका है और शेष 55.02 लाख रुपये के बैंक द्वारा मिलान किये जाने का प्रयास जारी है।

5.2 आन्तरिक लेखा परीक्षा द्वारा भविष्य निधि लेखों का परीक्षण नहीं किया गया। भविष्य निधि लेखों के लेखा परीक्षा के दौरान निम्न बिन्दु प्रकाश में आए।

(i) भविष्य निधि समेकित ब्राडशीट में अंकित समस्त मासिक डेबिट/क्रेडिट का योग रोकड़ बही के योग के समुक्त होनी चाहिए। ब्राडशीट को 1962-63 से सम्पूर्णता के कारण यह कार्य नहीं किया जा सका। तथापि 1978-79 को ब्राडशीट को पूर्ण किया जा रहा है।

(ii) भविष्य निधि लेखों से किया गया निवेश, देय तथा उस पर प्राप्त ब्याज को प्रदर्शित करने वाले निवेश रजिस्टर को नहीं बनाया गया।

लेखा परीक्षा के आदेश पर जुलाई 1980 से उक्त रजिस्टर शुरू किया गया है।

5.3 वर्ष 1965-66 से 1978-79 के रुपये 2.82 को देय 30 जून 1980 तक विभिन्न कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं गृहरी व्यक्तियों से वसूल नहीं किये गए जो निम्नलिखित हैं:—

क्र० सं०	विभाग	देय की प्रकृति	अवधि	राशि (रु० में)
1.	विद्यार्थी विभाग (सैकशन)	विद्यार्थियों से देय शुल्क	1968-69 से पूर्व	1,82,297
2.	विद्युत् विभाग	(क) कर्मचारियों से विद्युत् देय (ख) बाहरी व्यक्तियों से विद्युत् देय	1965-66 से 1978-79 तक 1965-66 से 1978-79 तक	41,572 3
3.	प्रकाशन विभाग	उधार लेखी गई पुस्तकों का मूल्य	1976-77 तक	12,257
4.	कम्प्यूटर केंद्र	बहरी प्रयोग कर्ताओं के लिये कम्प्यूटर सेवाओं का विस्तार	1975-76 से 1978-79 तक	7,200
5.	भूमि एवं उद्यान	गेट्स आदि का उधार विक्रय	1978-79 तक	6,337
6.	भवन विभाग	स्थानीय स्वायत्त शासन अभियंत्रण विभाग, यांत्रिक एवं अभियंत्रण विभाग आदि को जारी की गई सीमन्ट का मूल्य	1974-75 से 1978-79 तक	1,450
योग				2,81,771

विश्वविद्यालय ने बताया (जुलाई 1980) कि बकाया देय शुल्कों (वर्ष 1968-69 तक रु० 1.82 लाख) को बट्टे खाते में डालते हेतु कार्यवाही की जायेगी क्योंकि इन देयों के विरुद्ध की गई वसूली का गलत वर्गीकरण किया गया प्रतीत हुआ तथा शेष बकाया को देयों को वसूल करने के लिये प्रयास किये जा रहे थे।

5.4 विश्वविद्यालय के 134 विभागों द्वारा भंडारों का अनुरक्षण किया जा रहा था जिनके नियमों में भंडार का कम से कम वर्ष में एक बार वस्तुवागत सत्यापन का प्रावधान था। तथापि वर्ष 1978-79 में मात्र सात विभागों द्वारा वस्तुवागत सत्यापन का कार्य संचालित किया गया था। वर्ष 1977-78 की अवधि में भी केवल 20 विभागों में वस्तु-गत सत्यापन किया गया था।

विश्वविद्यालय ने बताया कि (नवम्बर 1980) 15 विभागों द्वारा वस्तुवागत सत्यापन के प्रतिवेदन प्राप्त हो गये थे तथा विभागाध्यक्षों को वस्तुवागत सत्यापन को पूरा करने हेतु तथा प्रतिवेदनों के प्रस्तुतीकरण के लिये अनुरोध जारी किये जा रहे थे।

5.5 कुल मिथाकर रु० 144.66 लाख के 5045 मामलों में स्वाकृत अस्थाई अधिम जित्ते वर्ष 1961-62 एवं वर्ष 1978-79 के मध्य विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अधिकारियों को आकस्मिक व्यय वैयक्तिक आग्रहों आदि के सम्बन्ध में भुगतान किया गया था, अभी तक आवश्यक समायोजन के अभाव में बताया है (जून 1980)। इस 5045 अधिमों में से कुल रु० 42.44 लाख के 1715 अधिम तीन वर्ष से अधिक पुराने थे।



रु० 52.32 लाख की राशि के 2359 अग्रिमों के संबंध में समा-योजन लेखे यद्यपि संबंधित विभागों/अधिकारियों से प्राप्त हो गये हैं तथापि विश्वविद्यालय के लेखा विभाग में या तो गणना के अर्थात् या जांच के अधीन है।

विश्वविद्यालय ने बताया (नवम्बर 1980) कि बकाया अग्रिमों जिनकी संख्या एवं राशि को घटाकर क्रमशः 4120 एवं रु० 124.17 लाख कर दिया गया है, की वसूली करने के प्रयत्न किये जा रहे हैं।

5.6 वर्ष 1978-79 की अवधि में विभिन्न निदेशों पर रु० 2.02 लाख की राशि की अज्ञित व्याज को वसूल नहीं किया गया था। इसमें से रु० 0.29 लाख की राशि राजस्व लेखे में तथा शेष रु० 1.73 लाख सम्बन्धित निधि लेखों में जमा की जानी थी।

विश्वविद्यालय ने सूचित किया (जुलाई 1980) कि (i) वचत बैंक खाते (रु० 15.00 लाख) पर रु० 0.75 लाख के व्याज की वसूली की गई थी तथा राशि को वर्ष 1979-80 के लेखे में दिखाया जाएगा।

(ii) उपकुलपति निधि पर रु० 0.42 लाख की राशि का व्याज वसूल किया गया एवं पुनः निर्देशित किया गया था तथा

(iii) वर्ष 1978-79 की अवधि में निवेशों पर व्याज की वसूली न किये जाने के कारणों को जांच हेतु तत्काल कदम उठाये जा रहे थे।

5.7 1 अप्रैल, 1984 को विश्वविद्यालय में अंशदायी भविष्य निधि की योजना को लागू किया गया। इस निधि में जैसाकि विश्वविद्यालय की संविधियों (स्टैट्यूट्स) में अपेक्षित है, विश्वविद्यालय अंशदान को कर्मचारियों के खाते में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा इस विशिष्ट उद्देश्य के लिये विये गये अनुदानों में से प्रतिवर्ष भुगतान कर दिया गया था।

तत्पश्चात् जब कतिपय कर्मचारियों ने पेंशन के लिये विकल्प दिया तब उनको विकल्प तिथि तक उनके खाते में जमा किया गया विश्वविद्यालय अंशदान उनके अवकाश ग्रहण करने पर भुगतान योग्य नहीं रहे तथा चूंकि विश्वविद्यालय को इस उद्देश्य हेतु ऐसे अंशदानों को और आगे अपेक्षा नहीं रही, जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने स्वीकृत किया था अतः इसे जैसे ही कर्मचारियों ने पेंशन के लिये विकल्प दिया, इसे आयोग को वापस कर दिया जाना था जिनके लिये इन अंशदानों को दिया गया था।

तथापि विश्वविद्यालय ने इस राशि को अपने अधिकार में रख लिया जिसका जमा अवशेष वर्ष 1978-79 के अन्त में रु० 39.10 लाख हो गया था और इसे (रु० 32.67 लाख वर्ष 1978-79 तक तथा रु० 6.00 लाख वर्ष 1979-80 में) आयोग के अनुमोदन के बिना निर्देशित कर दिया।

विश्वविद्यालय ने बताया (जुलाई 1980) कि राशि की वापसी अव्यथा रोकने के विषय में आयोग/विश्वविद्यालय द्वारा अभी निर्णय लिया जाना है।

## 6. अन्य विषय (प्वाइन्ट्स)

6.1 फरवरी, 1970 में कर्मचारियों को आवास निर्माण अग्रिम देने की योजना का सूत्रपात किया गया था तथापि अभी तक (जुलाई 1980) कोई अग्रिमोक्त इस प्रकार के अग्रिमों के लेखों के रख-रखाब के लिये अनुमोदित नहीं किया गया था, कर्मचारियों का एक खाता अनुमोदित किया जा रहा था जो फिर भी अभी तक अपूर्ण था क्योंकि समस्त वसू-

3—459Q1/81

लियों की प्रविष्टि नहीं की जा रही थी और वसूलियों का योग नहीं किया जा रहा था। 1975-76 से बाबशीट भी बनाई एवं भिलाई नहीं गई थी।

इन लेखों की नमूना-जांच से पता चला कि विश्वविद्यालय के नौ कर्मचारी जिन्हें वर्ष 1976-77 एवं 1977-78 के दौरान 1.38 लाख बनकर सैयार मकानों के क्रय हेतु अग्रिम के रूप में दिया गया था (जुलाई 1980) जिन्होंने अभी तक न तो खरीदा और विश्वविद्यालय के नाम बन्धक किया था और न ब्याज के साथ अग्रिम को वापस ही किया था। यद्यपि विश्वविद्यालय के विनियमों के अधीन ऐसे अग्रिमों को स्वीकृत करने के लिए कर्मचारियों को ब्याज सहित कुल राशि तुरन्त वापस कर देना चाहिए था किन्तु (जुलाई, 1980) विश्वविद्यालय ने उपयुक्त किस्तों में वसूली का प्रस्ताव किया।

6.2 भूगर्भ शास्त्र एवं भौतिक शास्त्र के विभागों और अभियंत्रण (इंजीनियरिंग) कालेज के कार्यशाला में शैक्षिक यात्राओं के उद्देश्य से प्रत्येक में एक भारी वाहन का अनुमोदन किया गया। दोनों विभागों एवं कार्यशाला के वाहनों को तीन वर्ष 1976-77 से 1978-79 की अवधि में क्रमशः मात्र 18,120 एवं 34 दिनों के लिये उपयोग में लाया गया था। इनमें से प्रत्येक वाहन, तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष में 279 से 361 दिनों तक अप्रयुक्त पड़ा रहा और निष्क्रिय अवधि के लिये बालकों को दिये गये वेतन एवं भत्ते लगभग रु० 46 लाख तक हो गये।

इसके प्रतिरिक्त यद्यपि कार्यशाला में उपलब्ध बस का पूर्णतया उपयोग नहीं किया गया था, सितम्बर, 1979 में एक मिनटी बस भी खरीदी गई थी। यह वाहन भी सितम्बर, 1979 से मार्च, 1980 तक 161 दिन तक अप्रयुक्त पड़ा रहा।

यद्यपि विश्वविद्यालय ने बताया (जून 1980) कि ये वाहन बहुत पुराने थे और उनका बार-बार उपयोग लाभकारी नहीं था। तथा यह है कि इन वाहनों को बार-बार प्रयोग में नहीं लाया जा सका, क्योंकि शैक्षिक यात्राओं की व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष में केवल कुछ दिनों के लिये समय-समय पर की जाती है।

अतः इस प्रकार की सामयिक यात्राओं के लिए प्रत्येक विभाग द्वारा पृथक वाहन का अनुमोदन औचित्यपूर्ण नहीं था।

6.3 प्रकाशन प्रभाग का एक मात्र कार्य पुस्तकों के विक्रय का प्रबन्ध करना था जो संबंधित विभागों द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित की गई थी तीन वर्षों 1976-77 से 1978-79 की अवधि में जबकि विश्व-विद्यालय ने रु० 3.31 लाख इस प्रभाग को चलाने के लिये व्यय किया, केवल रु० 0.92 लाख मूल्य की पुस्तकें इसके द्वारा बेची गई थी। 31 मार्च, 1980 को वर्ष 1958-59 से 1977-78 की अवधि में प्रकाशित प्रभाग के पास पड़ी हुई बिना बिकी पुस्तकों की 54,990 प्रतियां थीं (विक्रय मूल्य रु० 5.34 लाख)।

विश्वविद्यालय ने इस आधार पर प्रभाग को अन्य पुस्तक विक्रय के प्रबन्ध करने पर भी चलाने के लिये औचित्य पूर्ण बताया कि इसका प्रारम्भ वाणिज्यिक आधार पर कार्य करने के लिये नहीं दिया गया था। बिना बिकी हुई पुस्तकों के बारे में बताया गया कि उनके बेचने के लिये बाजार और अवसर सीमित हैं क्योंकि ये पाठ्यपूर्ण पुस्तकें थीं।

ह० (एम० एम० मेहता)

महालेखाकार, प्रथम

उत्तर प्रदेश

## परिशिष्ट—I

(पैरा 2.1 में संदर्भित)

बिना खर्च किये हुए अनुदानों का विवरण

पूर्वी अनुदान अनुदान की प्रकृति एवं आशय	वर्ष 1978-79 के अन्त तक प्राप्त राशि	वर्ष 1978-79 के अन्त तक व्यय की गई राशि	वर्ष 1978-79 के अन्त में बचा हुआ अवशेष
	(रुपये लाखों में)		
भवन	4,24.21	391.65	32.56
पुस्तकें	62.52	55.80	6.72
उपकरण	267.25	247.91	19.34
उपस्कर (फर्निचर)	35.34	33.05	2.29
योग	7,89.32	7,28.41	60.91
राजस्व अनुदान	(रुपये लाख में)		
1 अप्रैल 1978 को अनुदानों का अवशेष		23.02	
वर्ष के दौरान प्राप्तियां		8.86	
		योग	31.88
वर्ष के दौरान व्यय			10.01
31 मार्च, 1979 को बचा हुआ अवशेष			21.87

(रु० रा० ना० गुप्त)  
सेवा अधिकारी

## परिशिष्ट—II

(पैरा 2.2 में संदर्भित)

अनुदानों के विरुद्ध किये गये अतिरिक्त व्यय का विवरण

पूर्वी अनुदान अनुदानों का आशय एवं प्रकृति	वर्ष 1978-79 के अन्त तक प्राप्त राशि	वर्ष 1978-79 के अन्त तक व्यय की गई राशि	वर्ष 1978-79 के अन्त तक अनुदानों से अतिरिक्त व्यय
	(रु० लाखों में)		
भवन	1,80.87	190.97	10.10
पुस्तकें	12.73	16.41	3.68
उपकरण	1,06.06	132.21	26.15
उपस्कर (फर्निचर)	3.66	6.47	2.81
योग	3,03.32	3,46.06	42.74
राजस्व अनुदान	राशि (रु० लाखों में)		
1 अप्रैल 1978 को अनुदानों का अवशेष वर्ष के दौरान प्राप्तियां			(—) 5.92
			2.68
		योग	-3.24
वर्ष के दौरान व्यय			22.52
31 मार्च 1979 को अनुदानों से अतिरिक्त व्यय			25.76

(अर० एम० गुप्ता)  
सेवा अधिकारी

## परिशिष्ट—III

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के जे० एन० मेडिकल कॉलेज में शिक्षण कर्मचारियों की विभागात्मक से स्थिति

क्रम संख्या	विभाग	भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा बनाए गए शिक्षकों के अनुसार अयोग्य शिक्षकों की संख्या	कार्यरत अध्यापकों की वास्तविक संख्या	
			वर्ष 1977-78 के दौरान	वर्ष 1978-79 के दौरान
1	शरीर रचना विज्ञान	11	8	8
2	जीव रसायन शास्त्र	6	7	7
3	विधि चिकित्सा शास्त्र	5	3	3
4	घोषाधि	9	23	20
5	सूक्ष्म जीव विज्ञान	7	6	6
6	नेत्र विज्ञान	6	16	14
7	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान	6	8	8
8	रोग विज्ञान	17	13	13
9	बाल रोग विज्ञान	3	7	7
10	घोषाधि प्रभाव विज्ञान	8	6	8
11	शरीर क्रिया विज्ञान	12	8	8
12	चिकित्सा विज्ञान	8	5	5
13	सामाजिक एवं निरोधक दवाएं	8	12	12
14	शल्य क्रिया	9	31	31
योग		115	153	150

प्रारं एम० गुप्ता  
लेखा अधिकारीSTATE BANK OF INDIA  
SECRETARIAT OF THE GENERAL MANAGER  
(OPERATIONS)

## NOTICE

Calcutta, the 20th January, 1982

The following appointment on the Bank Staff is hereby notified :—

Shri A. Krishnan to be Chief Manager, Overseas Branch vice Shri R. Viswanathan as from the 7th January, 1982.

P. V. SUBBA RAO,  
Chief General Manager

## CENTRAL OFFICE

Bombay, the 19th November, 1981

The following appointments on the Bank's staff are hereby notified :—

- Shri H. S. Majumder has taken over charge as Dy. Managing Director (International Banking) at Central Office, with effect from the 13th November, 1981.
- Shri R. P. Goyal has taken over charge as Dy. Managing Director (Personnel and Services) at Central Office, with effect from the 16th November, 1981.
- Shri M. B. Deshmukh has taken over charge as Dy. Managing Director (Associate Banks) at Central Office, with effect from the 16th November, 1981.
- Shri V. N. Nadkarni has taken over charge as Dy. Managing Director (Operations) at Central Office, with effect from the 13th November, 1981.

- Shri A. Bose has taken over charge as Dy. Managing Director (Development & Planning) at Central Office, with effect from the 16th November, 1981.

V. S. NATARAJAN  
Managing Director.

## STATE BANK OF MYSORE

(ASSOCIATE OF THE STATE BANK OF INDIA)  
NOTICE

Bangalore, the 29th January, 1982

The Twentysecond Annual General Meeting of the shareholders of the State Bank of Mysore will be held at Sri Chowdiah Memorial Hall, Gayathridevi park Extension, Vyalikaval, Bangalore, (near Sankey Tank) on Saturday the 20th March 1982 at 11 A.M. (standard time) to receive the report of the Board of Directors, the Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank made upto 31st December, 1981 and the auditors' report on the Balance Sheet and accounts.

P. S. SANTHANAKRISHNAN  
Managing Director

## STATE BANK OF TRAVANCORE

(ASSOCIATE OF STATE BANK OF INDIA)  
NOTICE

Trivandrum, the 28th January, 1982

The Twentysecond Annual General Meeting of the Shareholders of State Bank of Travancore will be held at the Bank's Head Office, Trivandrum on Wednesday, the 17th March, 1982 at 11:00 A.M. (Standard Time) for the transaction of the following business :—

"To receive the report of the Board of Directors, the Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank made upto the 31st December, 1981 and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts."

N. C. BANERJEE  
Managing Director

# THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110002, the 14th January, 1982

## (CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 5-CA(32)/81-82.—With reference to this Institute's Notification No. 4-CA(1)/27/76-77 dated 5th March, 1977 it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members, the name of the following Member with effect from the date mentioned against his name :—

Sl. No.	Membership Number	Name & Address	Date of Restoration
1.	4772	Shri Pravinchandra Chunilal Shah, A.C.A. 'Bhagwan Nivas' Nana Pore, Nandiad-387001 Distt. Kaira (Gujarat).	9-11-1981

The 25th January, 1982

No. 13-Exam. (1)/M/82.—In pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India is pleased to notify that the Intermediate (New Syllabus) and Final (Old and New Syllabi) Examinations will be held on the dates given below at the following centres provided that sufficient number of candidates offer themselves to appear from each centre :

*Intermediate Examination (Under New Syllabus) :*  
GROUP I : 3rd, 4th, 5th and 6th May, 1982  
GROUP II : 8th, 10th and 11th May, 1982

*Final Examination (Old Syllabus) :*  
GROUP I : 3rd, 4th, 5th, 6th and 8th May, 1982.  
GROUP II : 10th, 11th and 12th May, 1982.

*Final Examination (New Syllabus) :*  
GROUP I : 3rd, 4th and 5th May, 1982.  
GROUP II : 6th, 8th and 10th May, 1982.  
GROUP III : 11th, 12th and 13th May, 1982.

### Centres :

1. Agra
2. Ahmedabad
3. Allahabad
4. Bangalore
5. Baroda
6. Belgaum
7. Bombay
8. Calcutta
9. Chandigarh
10. Coimbatore
11. Cuttack
12. Delhi/New Delhi
13. Ernakulam
14. Gauhati
15. Hyderabad
16. Indore
17. Jaipur
18. Jodhpur
19. Kanpur
20. Lucknow
21. Ludhiana
22. Madras
23. Madurai
24. Mangalore
25. Nagpur
26. Patna

27. Poona
28. Rajkot
29. Salem
30. Tiruchirappalli
31. Trichur
32. Trivandrum
33. Udaipur
34. Vijayawada
35. Visakhapatnam

Payment of fees for the examination should normally be made by Demand Drafts or Postal Orders payable at New Delhi and drawn in favour of Secretary to the Institute. However, for the convenience of candidates, special accounts have been opened in the State Bank of India and payment of fees for the Examinations can be made in cash into these special accounts at any Branch of the State Bank of India in India. Special pay-in-slips are being provided with the application forms.

Applications for admission to these examinations are required to be made on the relevant prescribed form, copies of which may be obtained from the Secretary of the Institute of Chartered Accountants of India, Indraprastha Marg New Delhi-110002 on payment of Re. 1 - per copy (no postage)

Applications together with the necessary certificates and the prescribed fees by a Demand Draft or Indian Postal Order or the counterfoil of the pay-in-slip issued by the State Bank of India, may be sent so as to reach the Secretary of the Council at New Delhi, not later than 1st March, 1982. Applications received after 1st March, 1982 shall not be entertained. Applications will also be received by hand delivery at the office of the Institute at New Delhi and at the Regional Branch offices of the Institute at Bombay, Calcutta, Madras and Kanpur upto 1st March, 1982 (inclusive). Candidates residing in these cities are advised to take advantage of this facility.

The fees payable for the various examinations are as under :—

Intermediate Examination (New Syllabus)	For one Group only	Rs. 40/-
	For both Groups	Rs. 75/-
Final Examination (Old Syllabus)	For one Group only	Rs. 75/-
	For both Groups	Rs. 125/-
Final Examination (New Syllabus)	For one Group only	Rs. 60/-
	For two Groups	
	For all the three	Rs. 120/-
	Groups taken together at one sitting	Rs. 150/-

P. S. GOPALAKRISHNAN  
Secretary

Kanpur-208001, the 31st December, 1981

## (CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 8-CCA(7)/81-82.—In pursuance of Regulation 10(1) (iii) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate/s of Practice issued to the following member/s have been cancelled from the dates mentioned against their names as they do not desire to hold the same.

S. No.	Membership Number	Name & Address	Date of Cancellation
1	2	3	4
1.	13711	Sri Kailash Narain Srivastava, F.C.A. M/s. Pyrites, Phosphatis & Chemical Ltd., Pali Road, Dehri-on Soni Distt. Rohas.	1-4-81
2.	31382	Shri Harish Kumar Gupta, A.C.A. Assistant Accountants, M/s. J. K. Industries Ltd., Kankroli, Distt. Udaipur.	1-8-81

1	2	3	4
3.	50258	Shri Ashok Kumar Vyas, A.C.A., Hindustan Zinc Limited, Zawar Mines Unit P. O., Udaipur-313901.	1-4-81
4.	70256	Sri Tara Chand Chejara, A.C.A., 309, Udyog Bhawan, Tilak Marg, Jaipur.	1-8-81

No. 8-CCA(8)/81-82.—In pursuance of Clause (iv) of Regulation 10(1) read with Regulation 10(2)(b) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificates of Practice issued to the following member/s shall stand cancelled with effect from 1st August, 1981 as they had not paid their annual fee for the Certificate of Practice for the year 1981-82 till 31st day of July, 1981.

Sl. No.	Membership Number	Name & Address
1	2	3
1.	2725	Shri Upendra Narain, F.C.A., Director (Finance), Eastern Coalfields Ltd., Sanctoria, P.O. Disergarh, Distt. Burdwan (W.B.)
2.	4684	Sri Gautam Raj B. Mehra, F.C.A. Laxmi Petrol Pump, M.I. Road, Jaipur.
3.	4584	Shri Kailash Chander Malu, FCA, Kothi No. 4, L.H. Sugar Factories Ltd., Civil Lines, Barielly.
4.	8272	Shri Bal Krishna Boob, F.C.A., Sethia Bhawan, Chopsani Road, Jodhpur.
5.	12992	Shri R. C. Agarwal, A.C.A., 1, Govind Marg, M.D. Road, Jaipur.
6.	14530	Sri Gopal Harlalka, A.C.A., Outer Circle Road, Near Gurudwara Basti, P.O. Bistupur, Jamshedpur-831001.
7.	14750	Shri T. B. Jain, A.C.A., 52, Bada Sarafa, Indore.
8.	16858	Shri M. C. Agarwal, A.C.A., 102, Opp. Bhagat Watika, Civil Lines, Jaipur-302006.
9.	50065	Sri D. K. Gupta, A.C.A., Dy. Manager (Commercial), Usha Martin Black Ltd., P. Box No. 147, Jamshedpur.
10.	70537	Shri H. C. Bothra, A.C.A., 73, Vallabh Bari, Gumanpura, Kota.
11.	70625	Sri Mukur Kumar T. Thakkar, A.C.A., Shastri Nagar, (Near Dr. Maitra's Laboratory), Dhanbad-826001.

1	2	3
12.	70637	Sri Shanti Lal Chaplot, Krishna Bhawan, Shastri Nagar, Behind Ice Factory, Ratlam.
13.	70662	Sri Ajay Gangwal, A.C.A., Sector-4, Plot No. 25, Jawahar Nagar, Jaipur-4.
14.	81251	Sri Paras Mal Jain, A.C.A., Assistant Manager, Finance RIICO Ltd., Udyog Bhawan, Tilak Marg, Jaipur-5.

The 19th January, 1982

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 5-CCA(9)/81-82.—With reference to this Institute's Notification Nos. 4-CA(1)/20/75-76 dated 23-3-76 it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulation, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members, the name of the following Member with effect from the date mentioned against his name :—

Sl. No.	Membership Number	Name & Address	Date
1.	13085	Shri Chandan Mal Nahata, A.C.A., Finance Manager, Bharat Westfalia Ltd., P. O. Mahilong, Ranchi-3.	5-12-81

P. S. GOPALAKRISHNAN  
Secretary

#### EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 27th January, 1982

No. N. 15/13/3/4/76-P&D (1).—In exercise of the powers conferred by sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has determined that in the areas specified in the Schedule given below the first contribution and first benefit periods for Sets 'A', 'B' and 'C' shall begin and end in respect of persons in insurable employment on the appointed day of midnight of 16-1-1982 as indicated in the table given below :—

Set	First contribution period		First benefit period	
	Begins on midnight of	Ends on midnight of	Begins on midnight of	Ends on midnight of
A.	16-1-1982	30-1-1982	16-10-1982	30-10-1982
B	16-1-1982	27-3-1982	16-10-1982	25-12-1982
C	16-1-1982	29-5-1982	16-10-1982	26-2-1983

#### SCHEDULE

"All villages (except the villages of Tilakraidih, Amaghate, Jiyalgoda, Kangalo, Gosaidih, Ratanpur, Deoli, Saraidhela and Kalakusma) in revenue thana of Govindpur in the District of Dhanbad, in the State of Bihar."

No. N-15/13/3/4/76-P&D(2).—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 17th January, 1982 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Bihar Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1951, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Bihar namely :—

"All villages (except the villages of Tilakraidih, Amaghat, Jyalgoda, Kangalo, Gosaidih, Ratanpur, Deoli, Saraldhela and Kalakusma) in revenue thana of Govindpur in the District of Dhanbad."

The 29th January, 1982

No. N-15/13/6/3/80-P&D (1).—In exercise of the powers conferred by sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has determined that in the areas specified in the Schedule given below the first contribution and first benefit periods for Sets 'A', 'B' and 'C' shall begin and end in respect of persons in insurable employment on the appointed day of midnight of 16-1-1982 as indicated in the table given below :—

Set	First contribution period		First benefit period	
	Begins on midnight of	Ends on midnight of	Begins on midnight of	Ends on midnight of
A	16-1-1982	30-1-1982	16-10-1982	30-10-1982
B	16-1-1982	27-3-1982	16-10-1982	25-12-1982
C	16-1-1982	29-5-1982	16-10-1982	26-2-1983

#### SCHEDULE

"The areas within the revenue village of Atholi in Quilandy Taluk of Kozhikode District in the State of Kerala."

No. N. 15/13/6/3/80-P&D (2).—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation-95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 17-1-1982 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Kerala Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules,

1959, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Kerala namely :—

"The areas within the revenue village of Atholi in Quilandy Taluk of Kozhikode District."

The 30th January, 1982

#### CORRIGENDUM

No. N. 15/13/16/1/79-P&D.—The Notification No. N. 15/13/16/1/79-P&D(1) & (2) dated 28th September, 1981 of the Employees' State Insurance Corporation published on page 2637 in the Gazette of India Part-III Section 4 dated 10th October, 1981 starting with the words "In exercise of the powers conferred" and ending with the words "Palwas village Had Bast No. 12 of Bhiwani District in Haryana" may be treated as cancelled.

The 1st February, 1982

No. X. 11/14/10/77-P&D.—In exercise of the powers conferred by sub-regulation (1) of the Regulation 5 of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has determined that in the establishments specified in the State Government of Haryana Notification No. 10 (371) 78-5 Lab. dated 11-1-1982 issued under sub-section (5) of Section 1 of the ESI Act, 1948, extending the provisions of the said Act to those establishments, the first contribution and first benefit periods for Sets 'A', 'B' and 'C' shall begin and end in respect of persons in insurable employment on the appointed day of midnight of 16-1-1982 as indicated in the table given below :—

Set	First contribution period		First benefit period	
	Begins on midnight of	Ends on midnight of	Begins on midnight of	Ends on midnight of
A	16-1-1982	30-1-1982	16-10-1982	30-10-1982
B	16-1-1982	27-3-1982	16-10-1982	25-12-1982
C	16-1-1982	29-5-1982	16-10-1982	26-2-1983

D. P. MALHOTRA  
Director (Plg. & Dev.)

**ALIGARH MUSLIM UNIVERSITY**  
**STATEMENT OF ACCOUNTS**  
**GENERAL ACCOUNTS AND BALANCE SHEET**  
**1978-79**

**INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR 1978-79**

Expenditure	Actual for 1978-79		Income	Actual for 1978-79	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
<b>(A) Maintenance Grant Account</b>					
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
1. Administration—			1. Endowments and Grants—		
(i) Salaries . . . . .	50,06,032		A. Income form Investments . . . . .		8,20,054
(ii) Other Charges . . . . .	8,63,945		B. Grants		
(iii) Common Service and General Charges . . . . .	741,66,690		University Grants Commission . . . . .	6,29,79,000	
			State Government . . . . .	2,62,000	
		1,00,36,667			6,32,41,000
2. Academic Department—			2. Fees from Students—		
A. Faculties—			Academic . . . . .	11,92,441	
(i) Salaries . . . . .	2,15,95,098		Examination . . . . .	4,02,833	
(ii) Other Charges . . . . .	24,65,197		Other Fees . . . . .	1,24,304	
		2,40,80,295			17,18,778
B. Colleges—			3. Hostels . . . . .		5,35,766
(i) Salaries . . . . .	23,67,455		4. Income from Buildings lands and other properties—		
(ii) Other Charges . . . . .	3,91,948		Buildings . . . . .	3,52,840	
		27,59,403	Lands and Gardens . . . . .	1,33,607	
C. General Education Centre—					4,86,447
(i) Salaries . . . . .	2,12,664		5. Publications— . . . . .		32,468
(ii) Other Charges . . . . .	29,985		6. Other Department—		
		2,42,649	Buildings Department . . . . .	3,007	
			Property . . . . .	3,591	
3. Examinations—					6,658
(i) Salaries . . . . .	1,62,087		Auxiliary Services—		
(ii) Others Charges . . . . .	13,86,310		7. Electricity Department		
		15,48,397	Electricity Supply Service . . . . .		25,75,919
4. Library—			8. Miscellaneous— . . . . .		3,18,995
(i) Salaries . . . . .	9,78,968		9. Schools—		
(ii) Other Charges . . . . .	11,30,627		Fees from Students . . . . .	1,13,549	
		21,09,595	10. Hostels . . . . .	6,176	
5. Students Facilities—			Miscellaneous . . . . .	62,686	
(i) Salaries . . . . .	5,19,269				1,82,411
(ii) Other Charges . . . . .	2,79,998		11. Medical College Hospitals U. P. Government—		
		7,99,267	Grants from maintenance of Beds . . . . .	4,50,000	
6. Fellowships and Scholarships—			Miscellaneous Receipts . . . . .	95,923	
A. Fellowships . . . . .	8,28,827				5,45,923
B. Scholarship . . . . .	1,92,267				
C. Stipends . . . . .	18,164				
		10,39,258	<b>GRAND TOTAL</b> . . . . .		<b>7,04,63,419</b>

1	2	3	4	5	6
		(A) Maintenance	Grant Account		
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
7. Hostels—					
(i) Salaries . . . . .	48,59,907				
(ii) Other Charges . . . . .	2,13,329				
		50,73,236			
8. Publications—					
(i) Salaries . . . . .	1,07,957				
(ii) Other Charges . . . . .	19,908				
		1,27,865			
9. Other Departments—					
(i) Salaries . . . . .	31,19,931				
(ii) Other Charges . . . . .	30,73,328				
		61,93,259			
Auxiliary Services—					
10. Electricity Department					
(i) Salaries . . . . .	7,87,822				
(ii) Other Charges . . . . .	25,31,994				
		33,19,816			
11. Miscellaneous—					
(i) Leave Salary . . . . .	19,25,244				
(ii) Other Charges . . . . .	14,54,622				
		33,79,866			
12. Schools—					
(i) Salaries . . . . .	26,95,075				
(ii) Other Charges . . . . .	2,15,648				
		29,10,723			
13. Provident Fund and Pension—					
(i) Provident Fund and Pension—	12,69,487				
(ii) Pension . . . . .	7,49,034				
(iii) Gratuity, D.L.I. etc. . . . .	3,43,119				
		13,61,640			
TOTAL—Main University . . . . .		6,49,61,936			
14. Medical College Hospital—					
(i) Salaries . . . . .	37,27,239				
(ii) Other Charges . . . . .	12,83,949				
		50,11,188			
TOTAL Medical College Hospital.					
		6,99,73,124			
TOTAL—Income and Expenditure Account					
Excess of receipts over expenditure . . . . .		4,90,295			
TOTAL—Maintenance Grant Account—		7,04,63,419			7,04,63,419

Sd/-  
(S. SHAFIQ AHMAD)  
Asstt. Accounts Officer  
(Accounts)

Sd/-  
SURINDER PAL  
Finance Officer



	B. Development			Grant Account		
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	
I. V Plan Scheme— Development of Higher Education and Research—						
Academic Departments—						
Salaries and Allowances . . . . .	12,32,747				2,65,000	
Other Charges . . . . .	1,42,572					
		13,75,319				
II. Special Development Schemes—						
Salaries and Allowances . . . . .	3,24,829				4,74,637	
Other Charges . . . . .	2,15,395				1,50,000	
Fellowship and Scholarship . . . . .	4,67,584					
		10,07,808			3,41,201	
III. Continued III Plan Schemes—						
Salaries and Allowance . . . . .	52,589					
Other Charges . . . . .	1,52,947					
		2,05,536				
IV. Miscellaneous Schemes—						
Writing of Books at University level . . . . .	9,400					
Financial Assistance to Teachers . . . . .	17,043					
Utilization Services of Retired Teachers . . . . .	55,525					
Seminar/Symposium/Conferences . . . . .	50,807					
Travel Grant to Teachers . . . . .	2,590					
Un-assigned Grant . . . . .	1,06,816					
Other Schemes . . . . .	5,02,807					
		7,44,988				
TOTAL—Expenditure . . . . .		33,33,651				
				TOTAL . . . . .	33,33,651	

Sd/-  
(S. SHAFIQ AHMAD)  
A.A.O.

Sd/-  
(SURINDER PAL)  
Finance Officer

ALIGARH MUSLIM UNIVERSITY  
BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 1979

Liabilities	Amount		Assets	Amount	
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
General Fund Account—			Investments		
Permanent Endowment—			(Various Accounts)		
Capitalised value of the investments made under Section 7 of Act XI, of 1920 . . . . .		30,00,000	Government Securities . . . . .	69,98,798	
			Fixed Deposit etc. . . . .	1,88,92,508	
Permanent Reserve Fund—					2,58,91,306
Capitalised value of the donation received and transfers made . . . . .		20,00,000	Buildings . . . . .		8,20,53,899
			Equipments . . . . .		3,81,41,339
Special Floating Reserve Fund—			Furniture . . . . .		39,74,262
Capitalised value of the donations and grants . . . . .		10,39,052	Books . . . . .		73,42,884
Floating Reserve Fund—			Miscellaneous Advances and Debit Balances— . . . . .		
Donation etc. value of . . . . .		3,74,730	General Fund Account		
Trust Fund—			Permanent Advances . . . . .		49,197
Capitalised value of the donation . . . . .	5,99,767		Outstanding Dues . . . . .		1,82,297
Un-utilised interest of the fund . . . . .	2,00,889		Inter Fund Advances . . . . .		20,13,198
Miscellaneous Trusts receipts . . . . .	6,764		Deficit in the Income and Expenditure Account—		
		8,07,420	Accumulated Deficit prior to 1950-51 . . . . .	9,30,450	
Miscellaneous Funds—			Deficit from 1951-52 to 1977-78 . . . . .	8,71,889	
Depreciation Fund . . . . .	2,13,974		Surplus during 1978-79 . . . . .	(—)4,90,295	
Building Fund . . . . .	1,23,25,534			3,81,594	13,12,044
Engineering College Fund . . . . .	9,43,845		Development Grant Account—		
Women's College Fund . . . . .	23,560		Excess Expenditure on account of:—		
		1,35,06,913	(i) Junior & Senior Research Fellowship and Scholarships form Girls Polytechnic (UGC) . . . . .	8,08,691	
Miscellaneous Reserve and Credit Balance—			(ii) Literary Research Unit at A.K. Tibbiya College (Govt. of India Scheme) . . . . .	23,602	
University's contribution towards Provident Fund at the credit of the employees who have opted for pension . . . . .		39,09,658	(ii) Research in Unani Medicine at A.K. Tibbiya College (Govt. of India Scheme) . . . . .	29,111	
National Service Scheme . . . . .		38,839	(iv) Post-graduate course in Ilmul Advia, A.K. Tibbiya College (Govt. of India Scheme) . . . . .	24,034	
Students Aid Fund . . . . .		9,723	(v) Post-Partum Programme, J N Medical College (U.P. Government Scheme) . . . . .	88,113	
Inter Fund Advances . . . . .		54,52,962			9,73,551
Grant for Revision of Scales of Pay . . . . .		17,96,608			
Suspense, Recoveries Suspense and Miscellaneous Accounts . . . . .		1,93,432			
Compulsory Deposit Scheme . . . . .		76,148			

Development Grant Account—

Capitalised value of the grants received from University Grants Commission for:—

Buildings . . . . .	6,05,08,089
Books . . . . .	75,25,902
Equipment . . . . .	3,73,30,371
Furniture . . . . .	38,99,438

10,92,63,800

Fellowships/Scholarships received from:—

Govt. of India J.C.A.R. and I.C.C.R. etc. . . . .	3,05,161
Council of Scientific and Industrial Research . . . . .	6,85,605

9,90,766

U.P. Govt. Grant for:—

Purchase of equipment for Schools . . . . .	4,467
Mobile Care Unit Programme . . . . .	33,528

37,995

Inter Fund Advances . . . . .	3,85,330
Recoveries and Suspense Account . . . . .	14,34,273

Deposit Account—

Grant received from various Governments and Agencies:—

Ford Foundation . . . . .	21,94,321
Kwait Government . . . . .	1,00,000
Shah of Iran Grant . . . . .	1,08,817
Shah Saud's Donation . . . . .	1,69,977
Jammu & Kashmir Govt. Grant . . . . .	6,96,820
J & K Government for construction of a Hostel . . . . .	42,569

33,12,504

Miscellaneous Grants and Deposits—

Grants received under PL 480 Programme . . . . .	1,16,337
Security Deposit . . . . .	5,27,462
Miscellaneous Reserves and Credit Balance . . . . .	5,73,970
Vice-Chancellor's Fund . . . . .	6,58,949
Inter Fund Advances . . . . .	12,97,673

31,74,891

Medical College Fund—

Capitalised value of the donation . . . . .	60,92,324
---	-----------

Dr. Wali Mohammad Waqf Fund—

Capitalised value of the donation . . . . .	1,82,000
Excess of Receipts over Expenditure . . . . .	27,992

2,09,992

Inter Fund Advances . . . . .	51,22,028
Excess expenditure over the receipts (21,02,813 (—) 17,14,435) . . . . .	3,88,378

Deposit Account—

Excess expenditure on account of Fellowships in Hindi and Urdu awarded by Jammu & Kashmir Government . . . . .	12,713
--	--------

Loans and Advances . . . . .	20,72,007
Inter Fund Advances . . . . .	95,325

Medical College Fund—

Advances for Medical Studies . . . . .	7,040
Inter Fund Advances . . . . .	1,59,063

Golden Jubilee Fund—

Accumulated net deficit as per Receipts and Disbursement Account . . . . .	10,281
--	--------

Provident Fund Accounts—

House Building Advances . . . . .	84,33,198
Inter Fund Advances . . . . .	37,916

Cash Balances—

General Fund Account—

State Bank of India, Aligarh . . . . .	34,71,075
State Bank of India, Karachi . . . . .	731
	34,71,806

Deposit Account . . . . .	1,84,513
Medical College Fund . . . . .	13,391
Dr. Wali Mohd. Waqf Fund . . . . .	43,143
Golden Jubilee Fund . . . . .	1,738

Provident Fund Account—

Post Office Saving Bank . . . . .	33,72,090
State Bank of India, Aligarh . . . . .	(—) 1,27,105
Allahabad Bank . . . . .	50,700
	32,95,685

GRAND TOTAL 18,52,82,202

Liabilities	Amount		Assets	Amount	
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Golden Jubilee Fund—					
Capitalised value from the donation .		1,20,305			
Provident Fund Account—					
Provident Fund . . . . .	2,43,78,256				
Refeundable . . . . .					
Receipts . . . . .	24,369	2,44,02,625			
Sheikh Zayed Institute of Petroleum Technology					
Capitalised value of the donation received from Sheikh Zayed . . . . .		16,70,718			
A.M.U. Campus Development Account—					
Capitalised value of the donation received from Permanent Islamic Solidarity Fund		1,62,206			
Closing Cash Balance—					
A.M.U. Development Grant Account . . . . .		18,18,988			
GRAND TOTAL— . . . . .		18,52,82,202	Grand Total . . . . .		18,52,82,202

Dd/-  
(S. SHAFIQ AHMAD)  
Asstt. Accounts Officer  
(Accounts)

Sd/-  
(SURINDER PAL)  
Finance Officer

#### AUDIT CERTIFICATE

I have examined the foregoing Accounts and the Balance Sheet of the Aligarh Muslim University, Aligarh for the year 1978-79 and obtained all the information and explanation that I have required and subject to the observations in the separate Audit Report, I certify as a result of my audit, that in my opinion these Accounts and the Balance Sheet are, properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the state of affairs of the Aligarh Muslim University Aligarh according to the best of my information and explanation given to me and as shown by the books of the Aligarh Muslim University, Aligarh.

Sd/-  
(M. M. MEHTA)  
Accountant General  
Uttar Pradesh, Allahabad

Allahabad : 10 March, 1981

## Bank Reconciliation Statement as on 31st March, 1979

	M.U. Fund Account	M.U. Dev. Grant Account	M.U. P.F. Account	M.U. Deposit Account	Medical College Fund Account
Balance as per accounts	(+)34,71,075	(—)18,18,988	(—)1,27,105	(+)1,84,513	13,391
Deduct :—					
Remittance in Transit	(—)67,00,639	(—) 2,32,991	(—) 81,161	(—) 31,810	—
Erroneous/Unclassified debits by the Bank	(—)12,50,257	(—)2,32,115	(—) 3,172	(—)1,90,530	—
Total	(—)44,79,821	(—)22,84,094	(—)2,11,438	—37,827	13,391
Add:—					
Uncash Cheques	(+)41,82,075	45,23,448	(+)3,53,907	(+)1,90,170	—
Erroneous/Unclassified credits by the Bank	(+) 4,60,279	65,700	(+) 2,667	(+)3,88,056	—
Balance as per Bank Statement	1,62,533	23,05,054	1,45,136	5,40,399	13,391

Sd/-  
Assistant Accounts Officer

## Audit Report on the Accounts of Aligarh Muslim University, Aligarh for 1978-79

## 1. Introductory

1.1 The University was financed in 1978-79 mainly by the University Grants Commission (Rs. 629.79 lakhs), it also received a grant of Rs. 2.62 lakhs from the Government of Uttar Pradesh and in addition a grant of Rs. 113.07 lakhs was paid by the Government of India and the University Grants Commission

for implementation of various schemes. Income from permanent endowment created under section 7 of the Aligarh Muslim University Act, 1920 and other investments, buildings and lands, medical college hospital receipts, academic fees, hostel receipts realised from the students, etc., are classified as its revenue receipts. A broad analysis of the receipts and payments during 1978-79 is given below:—

Receipts	Amount	Payments	Amount
1	2	3	4
(Rupees in lakhs)		(Rupees in lakhs)	
1. Grants received from the		1. Capital :	
(i) University Grants Commission	6.29.79	(i) Equipment . . . . .	100.49
(ii) State Government	2.62	(ii) Buildings . . . . .	29.79
	6.32.41	(iii) Books . . . . .	6.13
2. Income from endowments and investments	8.20	(iv) Furniture . . . . .	3.52
3. Income from buildings and lands	4.86		139.93
4. Academic receipts	19.01	2. Revenue expenditure (Pay, allowances and general expenses) . . . . .	370.99
5. Hostel receipts	5.36	3. Academic expenditure . . . . .	73.68
6. Medical College hospital receipts	5.46	4. Hostels . . . . .	50.73
7. Miscellaneous receipts	29.33	5. Fellowships and scholarships . . . . .	10.39
8. Grants received from the University Grants Commission and the Government of India for various schemes:		6. Medical College hospital . . . . .	50.11
(i) Recurring . . . . .	12.31	7. Miscellaneous expenditure . . . . .	130.21
(ii) Non-recurring . . . . .	100.76	8. Provident Fund and Pensions . . . . .	13.62
	113.07	9. Development grants . . . . .	33.34
9. Excess of expenditure over grants :			
Capital . . . . .	39.17		
Development . . . . .	21.03		
	60.20		
Maintenance . . . . .	(—) 4.90		
	55.30		
	873.00		873.00

## 2. Utilisation of Grants

2.1 As on 31st March, 1978, in respect of grants received from the Government of India, University Grants Commission and others, the University had an unutilised balance of Rs. 100.46 lakhs against some of the grants and had incurred an expenditure of Rs. 25.97 lakhs in excess of amounts received against other grants. Fresh grants totalling Rs. 745.48 lakhs were received during the year 1978-79. While more amount was thus available for expenditure against the grants having unutilised balances, some of the excess against other grants was wiped out. At the end of the year (on 31st March, 1979), the unutilised balances of grants totalled Rs. 82.76 lakhs (capital : Rs. 60.91 lakhs and revenue : Rs. 21.87 lakhs) as detailed in Annexure I and a sum of Rs. 68.50 lakhs (capital: Rs. 42.74 lakhs and revenue: Rs. 25.76 lakhs) as in Annexure II was spent in excess of grants in anticipation of receipt of grants for which no prior commitment of the grant giving organisation had been ensured.

The University stated (July 1980) that excess expenditure had been claimed from the grantors and most of the unutilised grants had been utilised during 1979-80.

2.2 As on 31st March, 1979, an amount of Rs. 51.22 lakhs had been diverted from the pooled development grants account (to which all specific purposes grants received from the University Grants Commission, the Government of India and others are credited) to the general fund account meant for meeting revenue expenditure. While there was an improvement over the figures as on 31st March, 1978 (Rs. 75.66 lakhs) it was still irregular and at the cost of development. Such diversion resulted in the pooled development fund being closed with a minus balance of Rs. 18.19 lakhs. The University stated (June 1980) that such transfers were resorted to tide over ways and means difficulties for a very limited period and intimated (November 1980) that the entire amount was credited back in 1979-80.

## 3. Construction of buildings

3.1 The University awarded (March 1979) the work of construction of "essential staff quarters to the lowest tenderer (cost: Rs. 13.76 lakhs) within the validity period of offer but without entering into agreement with him. The contractor left the work without doing any work and though the University contended (June 1980) that the acceptance of tender tantamount to entering into agreement, no action was taken to bind the contractor to bear the excess cost of the work amounting to Rs. 5.74 lakhs incurred in getting the work completed subsequently through another contractor at a cost of Rs. 19.50 lakhs.

3.2 The University invited (April 1978) tenders for construction of hostel for 144 students. The three tenders, lowest of which was for Rs. 11.53 lakhs were, however, rejected without recording any reasons. The work was awarded (August 1978) to the U.P. Rajkiya Nirman Nigam at cost of Rs. 12.07 lakhs which was 41 per cent above the estimated cost based on Central Public Works Department schedule of rates of 1974 on the grounds that:—

- (i) assurance was given by the Nigam to complete the work within the scheduled period of 12 months;

- (ii) as the work was to be executed by the qualified staff of the Nigam and was to be in conformity with the accepted standard, the constant supervision by the University would be minimised; and

- (iii) cement was to be arranged by the Nigam.

In this connection it was noticed in audit that—

- (i) the work was allotted by the University to the Nigam though it had not tendered for it and though the University Grants Commission had categorically advised the University not to entrust the work to the Nigam without inviting tenders;
- (ii) the Nigam did not complete the work even by the extended period upto February 1980 and rendered itself liable to penalty under clause 2 of the agreement;
- (iii) the Nigam could not arrange even cement in required quantity and the cost of 2,525 bags of cement issued by the University to the Nigam for this work was yet (June 1980) to be recovered from them; and
- (iv) a joint inspection of the work in April 1980 revealed that the work was not in conformity with the accepted standards in as much as vertical cracks in walls and defects in plastering etc. were noticed, balconies were found to be unsound and the quality of wood work was not good.

The University stated (July 1980) that the terms and conditions under which the work was to be carried out having been mutually agreed upon the formality of tendering was out of question and that the imposition of penalty for late completion and for defective work would be considered at the time of finalisation of accounts when the cost of cement supplied would also be recovered.

## 4. Excess expenditure on staff

4.1 Revision of pay scales of employees of the University requires the approval of the Executive Council. While granting *post facto* approval to the decision of the Vice-Chancellor in revision of pay scales of certain non-teaching staff, the Executive Council had resolved (May 1977) that all proposals having financial implications were first to be placed before the Finance Committee and that approval of the University Grants Commission was to be obtained before implementation.

Despite these clear instructions, the pay scales of 76 categories of posts were upgraded in 1977-78 by the Vice-Chancellor without prior approval of its Finance Committee and the University Grants Commission. Further the upgradation of pay scales in respect of 37 of these categories had not even been approved by the Executive Council and in respect of another seven categories the revised pay scales were higher than those approved by the Council.

While the University stated (July 1980) that a Committee had been appointed by the Executive Council to examine the entire issue of pay revision vis-a-vis the suggestion of the Union Ministry of Education for rescinding the decision of pay revision the payment of the upgraded scales had involved additional expenditure of about Rs. 16.00 lakhs during 1977-78 and 1978-79.

4.2 The Medical Council of India had fixed in 1977 the norms for appointment of teaching staff in various departments of a medical college having admission capacity of 100 students annually. According to these norms, which were approved by the University Grants Commission also, the Medical College of the University required 115 teachers annually for its 14 departments. However, during 1977-78 and 1978-79, the college employed 153 and 150 teachers respectively, as detailed in Annexure III.

Thus 38 teachers during 1977-78 and 35 teachers during 1978-79 were employed in excess of requirements and an avoidable expenditure of Rs. 14.13 lakhs (approximately) was incurred on their pay and allowances.

The University sought (July 1980) to justify the excess staff on the basis of teachers and students ratio of 1 to 10 plus one Professor or head for each department and two teachers for each of the six sub-specialities. The requirement of 132 teachers for 14 existing and 6 yet to be established non-existing departments was worked out and it was stated (July 1980) that the figure of 132 was not far removed from the figure of 153/150.

4.3 During 1976-77, the medical college hospital had a strength of 578 under the lower subordinate and non-teaching staff category. This included 61 posts continued since 1972-73 without the approval of the University Grants Commission. In addition the University employed casual temporary staff from time to time during the year and spent Rs. 3.62 lakhs on their wages.

Out of the 577 posts of such staff entertained during 1977-78, 187 posts were not approved by the Commission. Despite this position during this year too Rs. 1.02 lakh were spent on casual temporary staff of which 129 were absorbed as regular staff by conversion of casual posts to regular cadre. As a result the strength of such staff was raised to 699 during 1978-79. The number of posts, which according to the Commission, were over and above the essential requirements of the hospital during this year

thus rose to 309, on whose pay and allowances Rs. 12.36 lakhs were spent during the year.

The University stated (July 1980) that the question of adjustment of excess staff was under examination in view of the proposed increase in number of beds in the hospital from 350 to 500.

### 5. Comment on accounts

5.1 Reconciliation done with the bank upto 31st March, 1979 revealed a difference of Rs. 188.90 lakhs between the cash balance as per books of the University and the bank. As already commented upon in paragraph 3 (i) of the last audit report, items of debit/credit outstanding from 1959-60 had not been accounted for and reconciled by the University/bank.

The University stated (November 1980) that difference to the extent of Rs. 133.88 lakhs had been reconciled upto October 1980 and that efforts were being made to pursue with the bank, the reconciliation of the remaining difference of Rs. 55.02 lakhs.

5.2 The provident fund accounts as maintained had not been checked by internal audit. The following points were noticed during audit of the provident fund accounts:—

- (i) The total monthly credits and debits as worked out in the consolidated broad sheet of provident fund credit and debits were required to be tallied with the corresponding totals in the cash book. This had not been done since 1962-63 as the broad sheets were in arrears. The broad sheet for 1978-79 was, however, being finalised.
- (ii) The register of investments showing investments made from the provident fund accounts, interest due and received thereon, etc., had not been maintained. The register has since been introduced at the instance of audit with effect from July 1980.

5.3 Dues amounting to Rs. 2.82 lakhs for the years 1965-66 to 1978-79 were not realised upto 30 June 1980 from various employees, students and outsiders, as detailed below :—

Serial number	Department	Nature of dues	Period	Amount (Rupees)
1	2	3	4	5
(1)	Students Section	Fees due from students.	Prior to 1968-69	1,82,297
(2)	Electricity Department	(a) Electricity dues from the staff (b) Electricity dues from outsiders	1965-66 to 1978-79 1965-66 to 1978-79	41,572 30,658
(3)	Publications Division	Cost of books sold on credit	upto 1976-77	12,257
(4)	Computer Centre	Extension of Computer service to external users	1975-76 to 1978-78	7,200
(5)	Lands and Gardens	Credit sales of wheat, etc.	upto 1978-79	6,337
(6)	Buildings department	Cost of cement issued to staff, Local Self-Government Engineering department, Mechanical and Engineering department etc.	1974-75 to 1978-79	1,450
Total				2,81,771

The University stated (July 1980) that action would be taken to get the outstanding fees due (Rs. 1.82 lakhs for 1968-69) written off as the collection made against these dues appeared to have been misclassified and that efforts were being made to realise the remaining outstanding dues.

5.4. Stores were being maintained by 134 departments of the University whose rules provided for physical verification of stores at least once every year. Physical verification for 1978-79 was, however, conducted by seven departments only. During 1977-78 also physical verification had been conducted in respect of 20 departments only.

The University stated (November 1980) that physical verification reports had been received from 15 departments and that the heads of the departments were being instructed for completion of physical verification and submission of reports.

5.5. Temporary advances aggregating Rs. 144.66 lakhs granted in 5045 cases to various departments and offices of the University towards purchases/contingencies, personal advances etc. between 1961-62 and 1978 were still outstanding for want of necessary adjustments (June 1980). Out of these 5,045 advances, 1,715 advances totalling Rs. 52.44 lakhs were more than three years old.

Adjustment accounts in respect of 2,359 advances amounting to Rs. 52.32 lakhs though received from the concerned departments/offices, were either under objection or under scrutiny in the accounts department of the University.

The University stated (November 1980) that continued efforts were being made to clear the outstanding advances whose number and amount had since been reduced to 4,120 and Rs. 124.17 lakhs respectively.

5.6. Interest amounting to Rs. 2.02 lakhs earned on various investment during 1978-79 was not realised. Of this, a sum of Rs. 0.29 lakhs was creditable to the revenue account and the balance of Rs. 1.73 lakhs to the respective fund accounts.

The University intimated (July 1980) that (i) interest amounting to Rs. 0.75 lakhs on Savings Bank Account (Rs. 15.00 lakhs) had been realised and that the amount would be reflected in the accounts for 1979-80;

(ii) Interest amounting of Rs. 0.42 lakhs on Vice-Chancellor's Fund was realised and reinvested; and

(iii) Immediate steps were being taken to examine the reasons for non-realisation of interest on investments during 1978-79.

5.7 The scheme of Contributory Provident Fund came into force in the University on 1st April 1964. The University's contributions towards this fund, as required under the statutes of the University, were paid into the accounts of the employees out of the grants given by the University Grants Commission each year for this specific purpose.

Subsequently, when some of the employees opted for pension the University's contribution credited to their accounts upto the dates of their options, ceased to be payable to them on retirement. As the University did not any longer require the amount

of such contributions for the purpose it was granted by the University Grants Commission, it was to be refunded to the Commission as soon as the employees in respect of whom these contributions were made had opted for pension.

The University, however, retained this amount, whose accumulated balance at the end of 1978-79 was Rs. 39.10 lakhs, and invested it (Rs. 32.67 lakhs upto 1978-79 and Rs. 6.00 lakhs in 1979-80) without the approval of the Commission.

The University stated (July 1980) that a decision about refund or retention of the amount was yet to be taken by the Commission/University.

## 6. Other points

6.1. The scheme of granting house building advances to employees was introduced in the University in February 1970. No records for keeping accounts of such advances had, however, been prescribed so far (July 1980). A ledger of loanees was being maintained which was, however, incomplete in so far as all recoveries were not being posted and totals of recoveries were not being worked out. The broad-sheets had also not been prepared and proved since 1975-76.

Test check of these accounts revealed that nine employees of the University who were advanced in all Rs. 1.38 lakhs during 1976-77 and 1977-78 for purchase of ready-built houses had so far (July 1980) neither purchased and mortgaged the houses to the University nor refunded the advances together with interest. Though, under the University regulations for grant of such advances, the employees were required to refund forthwith the entire amount together with interest, the University proposed (July 1980) recovery in suitable instalments.

6.2. The departments of Geology and Physics and the Engineering College Workshop maintained a heavy vehicle each for the purpose of educational tours. The vehicles of the two departments and the workshop were utilised for only 18, 120 and 34 days respectively during the three years 1976-77 to 1978-79. Each of these vehicles remained idle for 279 to 361 days in each of the three years and the pay and allowances paid to the drivers for the idle period amounted to nearly Rs. 0.46 lakhs.

Moreover, even though the bus available with the Workshop was not fully utilised, a minibus was also purchased in September 1979. This vehicle, too, remained idle for 161 days during September 1979 to March 1980.

Though the University stated (June 1980) that those vehicles were very old and their frequent use was uneconomical, the fact remains that these vehicles could not be put to frequent use, as the educational tours are arranged by the University occasionally or only a few days in a year. The maintenance of separate vehicles by each department for such occasional tours was therefore not justified.

6.3. The sole function of the publication division was to manage the sale of books which were not printed and published by the respective departments. During the three years 1976-77 to 1978-79 while the University incurred expenditure of Rs. 3.11 lakhs on the running of the Division, books worth



Rs. 0.92 lakh only were sold by it. On 31st March 1980, the balance of unsold books lying with the Division was 54,990 copies (sale price : Rs. 5.34 lakhs) published during the years 1958-59 to 1977-78.

The University justified (June 1980) the expenditure on the running of the Division for managing the meagre sales of books on the ground that it was not

intended to function on commercial lines. The unsold volumes were reported to have a limited scope and market for sales as these were scholarly books.

Sd-  
(M. M. MEHTA)  
Accountant General  
Uttar Pradesh, Allahabad

#### ANNEXURE I

(Referred to in para 2.1)

#### Statement of unspent Grants

##### Capital Grants

Nature and purpose of grants	Amount received upto the end of the year 1978-79	Amount spent upto the end of the year 1978-79	Unspent balance at the end of the year 1979-89
	(Rupees in Lakhs)		
Buildings . . . . .	4,24.21	3,91.65	32.56
Books . . . . .	62.52	55.80	6.72
Equipments . . . . .	2,67.25	2,47.91	19.34
Furniture . . . . .	35.34	33.05	2.29
Total . . . . .	7,89.32	7,28.41	60.91

##### Revenue Grants

	Amount (Rupees in Laks)
Balance of grants as on 1 April 1978 . . . . .	23.02
Receipts during the year . . . . .	8.86
Total . . . . .	31.88
Expenditure during the year unspent balance as on 31 March 1979 . . . . .	10.01
	21.87

Sd/-  
R. N. Gupta  
Accounts Officer

## ANNEXURE II

(Referred to in para 2.2)

## Statement of Excess Expenditure against Grants

## Capital Grants

Nature and purpose of grants	Amount received upto the end of the year 1978-79	Amount spent upto the end of the year 1978-79	Expenditure in excess of grants at the end of the year 1978-79
(Rupees in Lakhs)			
Buildings . . . . .	1,80.87	1,90.97	10.10
Books . . . . .	12.79	16.41	3.68
Equipments . . . . .	1,06.06	1,32.21	26.15
Furniture . . . . .	3.66	6.47	2.81
Total . . . . .	3,03.32	3,46.06	42.7

## Revenue Grants

	Amount (Rupees in Lakhs)
Balance of grants as on 1 April 1978 . . . . .	(—) 5.92
Receipts during the year . . . . .	2.68
Total . . . . .	(—) 3.24
Expenditure during the year . . . . .	22.52
Expenditure in excess of grants as on 31 March 1979 . . . . .	25.76

Sd/-  
R. N. GUPTA  
Accounts Officer

## ANNEXURE III

Department-wise position of teaching staff in J. N. Medical College of Aligarh Muslim University, Aligarh.

Serial number	Department	Number of teachers required in accordance with the norms laid down by Medical Council of India	Actual number of teacher employed	
			during 1977-78	during 1978-79
1.	Anatomy . . . . .	11	8	8
2.	Biochemistry . . . . .	6	7	7
3.	Forensic Medicine . . . . .	5	3	3
4.	Medicine . . . . .	9	23	20
5.	Microbiology . . . . .	7	6	6
6.	Ophthalmology . . . . .	6	16	14
7.	Obstetric and Gynaecology . . . . .	6	8	8
8.	Pathology . . . . .	17	13	13
9.	Paediatrics . . . . .	3	7	7
10.	Pharmacology . . . . .	8	6	8
11.	Physiology . . . . .	12	8	8
12.	Radiology . . . . .	8	5	5
13.	Social and Preventive Medicine . . . . .	8	12	12
14.	Surgery . . . . .	9	31	31
Total . . . . .		115	153	150

Sd/-  
R. N. GUPTA  
Accounts Officer